

आफु आखाकातन वखाउ ननु ॥ ॥

अवजमिनपर राजाप्रणामासीकाचउज
तोआउनलाग्यो ॥ ॥ ॥

दोजानुवैठो करिनेके साथमेफिलमे ॥

परिकदेवके लकरकी आमद आमद ह

दर्जाभाफिक छडामारिकन आफु आफु

ठाउमा अदपसंगवस परिहरदेवह

रुका लकर आउनलाग्यो ॥ ॥ ॥

जमीपः आफुंगी राजाके साथ सद पर

सितारोंके मह अनरकी आम

राजाको साथ सप परा जमिं राजा

उनलाग्यो जसो नारागगाबीचमा सो

भायमान भूका पूर्णचन्द्रमाहैछन

सो पारहसकाबीचमा खभायमान मे

राजाका सवारी हुनलाग्यो ॥ ॥ ॥

जव वसगाहि औरनाचहे कयागतका

H-45

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार

वहोरे फितनव मशरकी आमद आमदहे सुनोरे

और परिहरु कानाचर गानासुन्यापछि
पलयकाल भयाजस्तोहूँ और वधे
चा फुल फुलदावहार कनहूँ तस्ते राजा
का सवारि हुदा फितनयेका अतर मह
सजस्तो महकन्याह ॥  ॥  ॥

वजाम राजाकी आमदका का कर वस्ताद तखतवि
जिगरकी जानकी दिलवरकी आमद आमदहे मुहको

सुस्ताद राजाके आनेका हाल में
आवधान गरुं दिल और ज्पान प्रा
तो राजाको सवारि हुन लाग्यो

राजा कामभामे और गा 
ना राजाका अपने हाल माफिक 
राजाहुमे कौमका और इन्दर मेरा नाम
बिनपरियोंकी दीदके मुह आगम ॥ 

राजामेरा जात हो नाहमरे इडहो
परिहरुताई न देखी मला चैन
आगम हुदेन ॥   

मद है ॥ सुनो रे मेरे देवरे दिल को नहीं करार ॥

जल्दी मेरे वास्ते सभा करो तैयार ॥

हे मेरे देव हरु मेरो दिल लाई ठेगा

नाछे न मेरो निमृति सभा चाडे न सा

रगार ॥  ॥

वस्ताद ॥ तखत विछाव जगमगा जल्दी से इस आन ॥

मामद है ॥ मुह को सब भर बैठना मे फिल के दर्भान ॥

मेरे वास्ते येक तरफ बहुत जडा उभया को

अले विछा उन् पछ मलाई रात भर य

ही मे फिल मा वछु पछ ॥  ॥

मेरा संग लदीप मे मुल्को मुल्को राज ॥

जी मेरा चाहता जल सा देख आज ॥

संग लदीप को राज जति छ उतिको मालि

क में हु मेरा जी चाहता है कि आज सबे प

रि हरु को नाच रहे ॥  ॥

लाव पारियां को मेरी जल्दी जा कर हों ॥

वारि वारि आन कर मुजर करे य ॥

होतुम अवजाव ओर सभ परी हरु लाई
डाकी ल्याउ आफु आफु पालो सितम
जरा करें ॥ ॥ ॥ ॥



श्यामद पुराज परिकी बीच

सभा के ॥ ॥ ॥



मे फिले राजा में पुराज परि आती है ॥

सारे माशुकों की सत्ताज परि आती है ॥

राजा को मै फिलमा ओल्हे पुराज परि

आउन लायो अरु सब परि हरु भेदा

राम्रोद वही आउन लायो ॥ ॥

जिसका साया  न कभी रबाव मै देखो होगा

आदमी जादों मै वो आज परि आती है ॥ ॥

उस्का छाजा पनि कसे ले स्वप्ना मां पनी

देखा को हवैन आदमी में मा वो परि

आज आउन लायो ॥  ॥  ॥



दो लते हु छमसे हो जायगा आलम मामुरा ॥

कर्ने इस वज्रममे अव राजपरि आति है ॥

उस्को खव सूरत चेहे रा रूपी दो लत ले आ
लम दुनि जा हरु सबै भर पर हुं छन ॥

इस मै फिलमा उही परि राज हुन लाइ

आउन लायो ॥ ॥ ॥  ॥

रंग हो जद हसी नों का न क्यों कर उस्ताद

गुल है मै फिलमे के परख राज परि आती है

रे उस्ताद उस्को खव सूरतिका तेज ले

सबै रासी हेरु को चेहे रा फिकामे म

तिनू हुनै पछ ॥ किस वास्ते कि परख

राज परि आउन लायो भनिक न स

बे मै फिलमा गुलम चाको छ ॥ ॥

आना परख राज परि को मै फिलमे और अपन

हाल के माफिक गाना ॥ ॥ ॥ ॥

गाती हु मै और नाच सदा काम है मेरा

आफाक मे परख राज परि नाम है मेरा ॥

गाउनु नाचनु सधे मेरो काम छुः इनि नामा तर
नाम मेरो परवराज परि हो ॥ ॥

फंदे सै मेरो को इनि कलने नाहि पाता

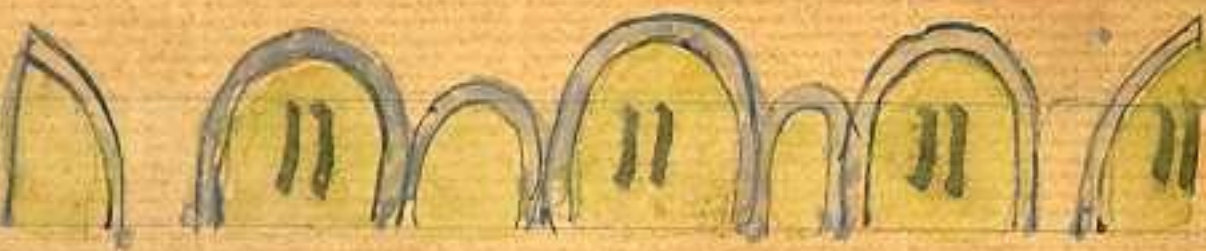
इस गुल शने आतम मे विछा दाम है मेरा जस्ते
मेरो खव सूरती का तेज रूपी फंदामा फसी कन कैले
कोई पनि निस्कन पाउ दैन किन भन्या योसं जवा
सार रूपी वधे चामा मेरो तेज रूपी जाल फिन्पा रिय
कोछ जस्ते येक फेराम लाई हेछु उ आस कहूँछु

मै लारव की दो लारव की परवान हिर खति
कारुं कारव जाना अजी इनाम है मेरा में
मैं लाख दुइ लाख को परवा राखति न ऐसा जान
हव कुवेर को सबै छु छुटि मेरो इनाम हो ॥ ॥ ईले

कहते है जाहो मै जिसे इंसो गुलो सुं वल् ॥

बोरु ख है बोगे सूये सिया फल म है मेरा ॥ ग

संसार मा जो आद मिहरु जस्ताइ गुलाव का भग
फुल और जयाम सि भैछु न सोई गुलाव का जिसे
फुल मेरो गाला लाई भैछु न जयाम सि मेरो अ

लखलाइ भँछन ॥ 

वदमस्तमुहे देखके होती है खुदाई ॥

मामूर मये हुस्न से क्या नाम है मेरा ॥

जस्तो मलाइ कन देख दछ सो मलाइ कैले पाउं

कैले पाउं भनी मतवाला जस्तो मस्त हुँछ मेरो

जवानी यस्तो छ कि जस्तो सराव का कचौरा म

रिया को हुँछ ॥    ॥

कती हुँ दिलो जास मेरा जाकी परस्त स

कहते है जिसे कु कु वइ सताम है मेरा ॥

मे आक्रु मन और ज्यान संग भगवान को पु

जान गरि राजा को पुजा गर्छु यो कर्ने से मला

ई लोक ले कुजात भँछ वही मेरो जात हो ॥

अह्वाहने वख्शा है मुहे रुत वरे आती

गई जिसे सब कहते है वो वाम है मेरा ॥

भगवान ले मलाइ यस्तो बडा मान वक्से को हो कि

जिसे सब लोग अकास कहते है वो मेरो कोसी हो ॥

इसो का शरण से मेरे वसन हि चलाता ॥
 दिल लेके मुकर जाना सदा काम है मेरा ॥
 आदमी हर को मेरी चला की के आगे के ही प
 नीला देन दिल पे रहे ली कन मेले लिया को
 छेन भनी छादन सदा मेरो काम यहि हो ॥

उस्ताद को देती हु दुआएं दिलो जों से
 ये काम जाहामे सहरो क्या महे मेरा ॥
 मः आपु उस्ताद लाई दिल और जों से आ
 सिर्वाद दिछु अब दुनि जामा वेहान वेल
 का मेरो यहि काम छु ॥ ॥ ॥ ॥



छंद जवानी परवरज परिकी ॥



रजा इन्दर देस मे रहे इता ही शाद ॥
 जो मुह सी ना चीज को किया सभा मे या
 २ हे भगवान रजा लाई देस मा खु सी रहो सु
 जो मे निर्धा लाई सभा मा याद गया को हो
 किया सभा मे याद मुहे रजाने आज
 होत त माल खजाने की कबहु मह ताज ॥

॥ राजाते मलाई सभामा आजो डाकी वक्ता
॥ कोहो मलाई धन दोलत तरवत ताज केहि
प चाहि देन मैं ते सो गरीव होई न ॥ ॥ ॥

को हिरा पन्ना चाहिये तरवन मुह को ताज ॥
॥ जगमै बात उस्ताद की वनी रहे महाराज ॥
मलाई हिरा पन्ना तरवत ताज केहि पनि चा
॥ हिंदे नरे महाराज जगत मा उस्ताद को वा
ना त इज्जत बनिरहो सु ॥ ॥ ॥ ॥

दुमरि गाना परिका



॥ आइहु सभामे छांड के घर ॥
काहु किन ही मोहे आजु खबर ॥
मसभामा आहु घर छोडेर आया कोहु मलाई
॥ आजो कसै को खबर छैन ॥ ॥ ॥ ॥

॥ बेरिहते रि राजा इंदर ॥
॥ रवना दिन रयन दया की नजर ॥
॥ ऐ राजा मैं निमोदा सीहु मैं माथि सवै दया
॥ को निगाह राख नूह वसु ॥ ॥ ॥ ॥



मोनेका विराजे सीस मुकट ॥

रूपे के तरु पर बैठ निडर ॥

तिमो सिमा सुन को मुकट लाया को हो तिमि
चादिको तरु तमा निभये संग वस ॥

चारों कुंनो पर लाल लुटे ॥

दाता का कर मरहे आठ पहर ॥

तिमो तरु तका चारों कुंनो वाट लाल जवाहर लू
टा करे तिमि माथी भगवान को सधैं कपार हो

साया रहे पीर पयम्बर का ॥

मोला की सदा रहे नेक नजर ॥

तिमि माथि देवता हरु को निगा हर हो सु भग
वान को पनि सधैं नेक निगा हर हो सु ॥

उस्ताद कहो हर से हरदम ॥

डुनि जा मे रहें हजरत अखतर ॥

ऐ उस्ताद निमिलाई भगवान् संग यही वरदा
न मागनु पछ कि डुनि जा मा हजरत अखतर
सुख संग रहो सु हजरत अखतर भया को लख

नौवा दशाहा वाज दस्युली शाह लाइ भै छन ॥ ॥

वसंत जवानि पवराज परिके

अनुआइ वसंत अज पवहार ॥ खिले जर्द फूल विरवन की डार ॥

वसंत अनुकी वहार अचम्बा सित आया को छ ॥

विरवा विरवा का होंगा हागामा फूल फुल्यो को छ ॥

चटको कसुम फूल लागी ससी ॥ फवकत चलत गे हुवन की वार ॥

कसुम का फूल फुटन लाग्यो सस्यो का फूल

पनि फुलन लाग्यो गहु का बाला पनी बढी

कन तेयारी पर आउन लाग्यो ॥ ॥ ॥

हरके डुवारे माली का छोरा ॥ गरुवा डारत गेंदन के हार ॥

शिवजी का दर्वाजामा मालिका छोरा ले सये

पत्री का फूल को हार बनाई कलशमा सिंधा

रि कन चठाउन लाग्यो ॥ ॥ ॥ ॥

टेसु फुले अम्बा वौरा नौ ॥ चम्पा के रुख कलियन की वार ॥

पलास का फूल पनि फुल्यो ओप पनि फुलन

लाग्यो चम्पा का फूल को पनि पालो आउन लाग्यो ॥

करकर



सभामे आमदे नीलमपरि है ॥



सरासर वो नजाकतसें भरि है ॥

सभामा अवनीलमपरि आउन लागि ओर उ
स्का वदन ठेरै नाजुक कोमल छ ॥ ॥ ॥

सितारों की रूपक जाती हैं औरें ॥

वो उसके वरमे मलबूसे जरि है ॥

सितार वादला सत्माति भरिया का निलमपरि
का पोसाक का तेजले तारागण का आखापनि
मति नूह छ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

गजवृ गाना है और उस्का चमकना ॥

कभी जोहरा कभी वा मुस्तरी है ॥ ॥

अव

गहे

ल

॥

उस्का गाना और चंचल होना गजव को छ
जोरा भन्या को शुक को यह हो स्थिर हुने मुश्त
रि भन्या को बृहस्पतिको यह हो चंचल हुने
नाचदावेरि कैले शुक को यह जस्तो स्थिर हु
न्या कैले बृहस्पतिको यह जस्तो चंचल हुने
यस्तो ताजुपसंग नाच गान गन्या हो ॥

नदेखाहोगा नाचऐसा किसीने
बलाहै सेहरहै जाइ गरि हे ॥ १ ॥

यसो नाच कसेले पनि देखा को होवैन कसो
भन्या बला भन्या को केले पनि नछुट्या ज
सो जाइ गरि कन मोह भै वसुहुँछ तसो त्यो ना
च देखदा मोहले वस भै दिल्वाट छुट्टैन त
सो हो ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

खिजात तसै नक्यो नीली हो सो सन ॥
के नाफरमांसे उस्को हमु सरि हे ॥ ॥
सो सन का फुल को रंग उदाहुँछ निलम परिकारंग
निलोछ नाफरमा का फुल निलम परिवरावरु
नाले सो सन का फुल पनि सरम काला जले आ
फुरंग छाडी निलोक नहुन गयो ॥ ॥ ॥

तमाम उस्के हैं आज्ञा शो लये नूर ॥
शगरत कूट कर उस्मे भरी हे ॥ ॥
सर्वाङ्ग अंग अंग का जोड जोड बाट तेज को ज्वा

लाजम्माभे जसोचन्द्रमाकाजोति निस्कंद तस्यै
 निलम्परिका अंगवार निस्कंद जसोभुइचंपा
 कोफलहरिभयाकोहुँछ तस्यैउस्को अंगमाहि
 ल्काभयाकोछ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

जमिपर वोपरि आतीहै उस्ताद ॥
 जवाहरसे जोरहुत मैखडी है ॥ ॥
 सेउस्ताद अववोपरि जमिन्पर आउनलायो
 जस्कोसूरतको तेजजोछ जवाहरभँदाछै तेज
 वखाकोछ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

आना नीलम्परिका बीचसभाके ओर
 गाना अपनेहालमाफिक सभामे ॥

होगेके होशउडतेहैं उडनेकी शान पर ॥
 नीलम्परिहै नाममेरा आसमान पर ॥
 हरभयाको स्वर्गका अवदराहुन मेरोउडने
 कोखवसूरतीदेखीकनउनीहरुकोहोसुउ
 डीवेहोसुहुँछ और नाउमेरो अकासमापनी
 नीलम्परिछ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१)
अध्वाहके करमसे जमाने में है उरुज ॥

पुकता है सर फलक का मेरे आस्तान पर ॥

भगवान को दयाले इनित्राँ सँसार में मेरे

नाउ चत्पा को छ मेरे ठो कामा अकामले

पनिधोग दिन आउ न छन ॥ ॥



इन्सा कि अस्त क्या है के पतला है खाक का

जिन् खेत जाते है मेरी उत्फत्त में जान पर ॥

आदमी को तो क्या गिति हो माये को मूर्ति

छ जिन् भने को परिहरु को तो ज्ये हो इनी

हरले पनी मलाइ देखी कन ज्पान हा छ ॥

निलम् को चम् चाटु के आखों पर रखते है

शोहरा है मेरा जो हरियों की डुकान पर ॥

मेरे नाउ पनी निलम् परि नीर को नाउ

पनि निलम् हुनाले जो हरिलोग नीरला

ई चम्बन गरि चाटि आखामा थी राखी उ

स्कोइ जतरा खदुन उनिहरु का हो कानमा

पनि मेरे नाउ को चर्चा गर्दनु ॥ ॥ ॥

॥ उडते नहि है मेरि न जा कत पः किस्के हो सु ॥

॥ ॥ राखते है फुल हात गुली स्तों मे कान पर ॥ ॥

मेरो नाजु वद न हेरि कन कस्तुई हो सु उदे न

वधे मा जति रागो रागो फुल फुल सवेले मेरो

नाउ सुनि कन अचम्भा भै आका हात आ

प्रे कान माथि राख दन ॥ ॥  ॥ ॥

॥ कर्तानहि है कोन मोह वत का हक अदा

देते है प्रो जान मेरि आन वान पर ॥ ॥

यो संसार मा को छर मेरो माया गरि कन पछि

माया नगने जस्त माया गर्द ज्ञान रहे संम

छोडन सक्ने न मेरो रूप जो भन देखी कन

देव हरु पति ज्ञान दिनु दन ॥ ॥  ॥ ॥

मिस्सि की तरह बाग मै जमुता है उस्कार डू ॥

सो सन जो जिऊ लाति है मेरा जवान पर ॥

मिस्सिला उदाखे जिस्तो बोढू मार डू जमदद

तेजै सो सन भन्या को फुल ले मेरो नाउ लिंदाखे

रि वधे चामा उस्को र डू जमदद ॥ ॥ ॥

जोहरा मेरे ब्याल मे धनती है सर सदा ॥ ॥ सुनो

मते है तान सेन तराने की तान पर ॥ ॥ नाच

जोरा भन्या को थुक् को यह हो उस्ते पनि आ सुन

फुमन मा मेरो याद विचार गरी कन सिर उठा नाच

उन सत्तेन तान सेन मिआले पनि मेरो गाया इक

को तराना का तान सुंदार खोरि प्राण छो डे दछ ॥ हुवा है

उस्ताद ने जमिय बुलाकर दिया है नाम् ॥ ॥ जब है

क्यो कर रहे न मेरा दिमाग आसमान पर ॥ में

उस्ताद ले जमिन मा वोलाई कन मलाई इज्ज उस्त

तर नाउ दिया कोछु यसे निमतिले मेरो मिजा ल्या

ज अकास मा पुषा कोछु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

छंद जवानी नित मपरिका बीच सभा के ॥

मेचेरी सकार की नुमराजों के राज ॥ ॥ ॥ आइ

गाना मुरु माशुक का सुनो गोर से आज मुनरा

रे राजा मः तिमो दासी है हजुर राजा हरु मः

को राजा हो आज मः माशुक ले गाया को गाना कत

मन लाई कन सुनु हवस ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ इक



सुनो गौरसै आज मेरा राजाजी गाना ॥ ॥

नाचके छलवल देखके देखो वतलाना ॥ ॥

सुनु हवस मनलाइ कन भैलेगायाको मेरो

नाच हावभाव छलवल कटाक्ष सवे मनला

इकन हेरि सुनु हवस ॥ ॥  ॥ ॥

हुवाहै मेरा तव इसमे फिलमे आना ॥ ॥

जवहै सारा देस वदेस उस्तादने छाना ॥ ॥

मैं सभामा ठेरै कठिनले आयाकोहुं किनभने

उस्तादले सारा देस धुमिकन मलाइ मे फिलमा

ल्यायाकोछ ॥  ॥  ॥  ॥  ॥  ॥ ॥

॥ छंदूस राजवानी नितम्परिके वीच सभोके ॥

आइहमै इरसै कर्के तुमको याद ॥ ॥

मुजर मेरा देखकर करे मेरा हित् शाह ॥ ॥

मः हजुर लाई ठेरै दछावाट मनमा विचारगरी

कन आयाकोछु कि हजुर लाइ नाचीगाई रिहा

इकन इनाम् पाउ रे राजा मेरो मुजर हेरि कन मेरो म

रखु गीगर ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

करो मेरा दिल शाद के मे दिल खोल के गाउ ॥

गाके नाचके आज हुनर अफ़ा देख लाउ ॥

ऐराजा मेरो मन खुशी गर कि म मन लाई

कन सभामा गाउ अरु नाची गाई आफ़ा

गुन हजुर लाई जाहेर गरुं ॥ ॥ ॥ ॥

हुनर दिखाकर मे फिल मे दाद अपनी पाउ ॥

दाद अपनी पाँ पाकर घर उस्ताद के जाउ ॥

ऐराजा गुन जाहीर गरुं गुन जाहीर गरीबुन

सभामा तारीफ़ पाउं बाह बाह तारीफ़ पाइक

न उस्ताद को घर जाउं ॥ ॥ ॥ ॥

ठुमरि जवानी नीलम परिकी विच

धुन खंभाचके ॥ ॥ ॥ ॥

काहा को समझावत न कोई ॥ ॥

अंगिया रङ्ग मे भिजोई ॥ ॥ ॥

काहा लाई कैसे लेपनि समझाउन सक्ते न अ ॥

गिया भन्या को चो लो हो रंगमा भिजाइ दियो ॥

श्रीगणेशाय नमः
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ ॥ मोरि वृजमे पतर खोई ॥ वृजमामेरे प्रतीत लोदिया
 ॐ ॥ आज सरखी हम धरमा जाके प्रीत का जान रोई ॥
 ॐ ॥ अबीर गुलाल दुडा उन खातीर मुआसुवन से धोई ॥

वदन माटी मे मिलोई ॥

॥ ऐ सरखी आज हमि धरमा गै कन प्रीती का जू
 ॐ ॥ लाई रोई कन श्राप दिउला केन भने कछ
 ॐ ॥ जिसी ग प्रीती नग साको भया केन मेरे ग्य
 ॐ ॥ लोह बाल दुंध्यो अबीर गुलाल फाती
 ॐ ॥ सफाग न लाई आ फ्रा मुख आसू माधु
 ॐ ॥ ला रोई रोई कन आ फ्रा सरीर माटी मा
 ॐ ॥ मिलाउला ॥ ॥ ॥

गर बाल गायो गिराय के मेह का ॥

कर पकडा जव रोई ॥ ॥ ॥

इज्जत लीनी गारी दीनी ॥

हम हू जान को खोई ॥

ॐ ॥ सरखी वीसर खाई के सोई ॥



पेले भुइमा खसाली कन गलामालियो जव
 मेरो ज्ञापछि हात समातिकन मेरो इजत लीगा
 तिगयो मे पनि लाजले आफु ज्यूदिछु हे स
 खि अव मेरो इजत गया पछि मे विसरवाइ क
 न सुति रहंला ॥ ॥ ॥



वेठ वेठ वृज के लोगन मे ॥ कुवरीया विसु वोई ॥
 या जो खबर उस्तादने पाई ॥ घर हम हात से खोई ॥
 निकस कर जोग न होई ॥

वृज का लोग हरु लाई कुवरी ले यहि माथि
 का कुरा भनि फैला उछ यो खबर उस्ताद ले
 थाहा पायो भन्या लाजले मे घर जान सक्ती
 न घर बाट निस्की कन कित जोगिनि हुन
 पयो कित प्राण त्यागनु पयो ॥

हुकम देना राजा इन्दर का लाल पारि
 केवलाने को बीच सभा के ॥ ॥

दिखा चुकी तु करत पसारे ॥ पहलू मे अव वेठ हम
 किया सभा मे तूने नाम ॥ अव हे लाल पारिका काम

तैले आफु गन देवाइ सकिस् अवमै संगै आइ
 कनवस् तैले सभामा खुवनाउ गरिस् अवतात
 परिको पालोछ ॥

आमद लात परिकी गाना लोगोंका
 बीच सभाके ॥

सभामे तात परिकि सवारि आति है ॥

जमाने रङ्ग अव इन्दर कि प्यारि आति है ॥

सभामा लात परिकी सवारि हुन लाग्यो अवइस्

मे फिलमा आफु गाना को रङ्ग जमाउन आउ

छइ इउको बहुत पियारोछ ॥

शफक मे आयेगा फुरमुट नजर सितारोका ॥

पहेन के सुरुख बो पोशाक भारि आती है ॥

साफुको वखत मा पश्चिमतर्फ शफक भन्या

को अकास रातो भैकन ताराहरु प्रगट भैज

म्माहुन्छ तसै लात परिकारतो पोशाक मा

सितारा सत्मा लाग्याकोले तेसै देखिन्छ ॥

हसिन् वज्रकीशादिसे खिल परेंगी तमाम् ॥

गलों के वास्ते वादे वहारि आती है ॥



राजा को मै फिलमाव स्या का रग्री रग्री हरु जो छ

लाल पर आया को देखि कन बहुत खुसी हुई छ

न कस्तो खुसी भन्या वधे नामा फुल का विरुवा

हरु मा को पिता लाग्या को हुई छ वेहान सवेरै

का हावा लागी सो को पिता फुटि फुल दछ न

सै सवे ताई ठेरै खुशि हुई छ न ॥

निगाह उसकी छुरि सै सिवा न कीती है ॥

लगाने सब के दिलो पर कटारि आति है ॥

लाल पर लिहे सा को निगाह कस्तो भन्या वडो

भया को छुरि भंदा पनी ठेरै तिखो लाल पर

आउदा मै फिल का सारा मानी सुताई दिल

मा छुरि माया को जस्तो हुई छ ॥

खिले गाता तिका तरवता सभामे रेयारे ॥

नेहात हो के मुराद अवतु झारि आति है ॥

॥

लाता भन्याको फुल हो सो फुलको फुल हागा ।
 सवै रातो हुँछु स्नेया री लात परिस भामा आया
 कावेला मा वधै चामा लाता का फुल फुत्पाको
 जस्तो हुँछु अवति मिह रुखुशी हो की जो मन
 माइ च्छाग माको थियो सोहि परा हुन लाग्यो ॥
 उपना देखे के विजली गिरेगी विजली पर ॥
 किनारों पर वोला गाकर किनारी आति है ॥
 उसको पछोर हरेर विजली मा थिय निपज
 परेछु के न भन्या आफ्रु पछोर को चोरै तर
 फल चकापडा को किनारा लाइ कन आउछु ॥
 मै कि सज बासै कहूँ उसि शोरियाँ उस्ताद ॥
 बहोरै ताजा कि मै फिल की वारि आति है ॥
 से उस्ताद म कुन जवान ते उसको तारि फग
 हुँ मै फिल माना वहारि लो लात परि आ
 उनु लाग्यो ॥

सभामे आके लाल परिकागाना

काम

इन्साका हुष्य मेरे तमाम है ॥

जोडा है सुरुख तात परि मेरा नाउ है ॥

मानिस को रुप जस्तो मेरो तमाम रुप छ पोशाक

मेरो गतो छ नाउ पनि मेरो तात परि हो ॥

याकत जरब रिद है सर्कार का मेरे ॥

नौकर हकीफ तात बदकस्तो गुलाम है ॥

याकत भन्या को मानिक हो सो मानिक माताल

रंगर चमक ज्यादा है सो मैले कि निराव्या को

हो हकीफ भन्या को मेरो चाकर हो तात भन्या

को जवाहर हो बदकस्तो भन्या को मुलुक माखाती

छ वरावर पेदा कन है मोल उस्को अन मोल छ

यस्ता ह रुताई पनि तात परिले क्या भन्छन् भ

ये यस्तो तात लाई म वरावर होईन मेरो कमारे

हो भनि भन्छन् ॥



आशक को कल कती हि अवह किते गसे ॥

दिन रात मुह को खुन बढाने से काम है ॥ ॥

अर्का लाई जस्तो तलवारले काट्छु तेस्तै मः आफु
 आशक लाई हेरिकन आखि भौंरुपी का तलवा
 रले काट्छु रातदिन रगतवहाउने काम मात्र मे
 रोहो ॥

पोशाक मेरि मुख देखे मुख डाहे चोद सा ॥

देखो आफु कमे रागको माहे तमा महे ॥

पोशाक मेरो रातो हो मुख मेरो पूर्ण चन्द्रमा जस्तो
 हो यो पोशाक मा मेरो मुख यस्तो देखिन्छ कि ज
 स्तो सांरुपत्ये वेला मा पश्चिमातिर चन्द्रमा निस्क
 ने वेला मा आकास रातो भयेर आउछ तेस्तै मेरो
 रातो पोशाक मा पूर्ण चन्द्रमा जस्तो मेरो मुख दे
 खिन्छ ॥

शोखी पः मेरि होते हे मुर्गे चमन हलान् ॥

हर गुल को जीस्त वागे जहामे हराम है ॥

वागे जादा भन्या को पृथ्वी को वधे चामा मानि सरुपी फु

लहरुते मेरो खव सूरती देखदा मोहले ज्यू नूक ठिनलाग्छु ॥



मिर्शिख मुह से होता है हरदम जो दूबड़ ॥

कर्ता लहू लगा के शहिदों में नाम है ॥

मिर्शिख भन्या को मझुल को ग्रह लाई भैछन

केन भन्या मझुल को ग्रह रातो हुनाले अर्का

लाई कर मार गन्यार रगत निकाल न्या हो

सो ग्रह ले मेरो अगाडि रुबरु मा केन बछेर

आउछ योपनि आफु अंगुली मार गतल

गाई आश की हरु मेरो नाउपनि हो सभनी

भैछन ॥

उस्ताद अंजमत मै रहें सुख खरु सदा ॥

अह्वाह से दुवाय मेरी सुभशाम है ॥

उस्ताद को यो मै फितमा सदा मान रहोस

भगवान संग मेरो दिन रात यही इस्पाद ॥

छंद जवानी लाल परिके वीच सभा के

वैठी थी मै काफ मे जाग येहे लाल ॥

जाहा बुला कर आफने बठा दिया दिकवाल ॥



काफभन्याको वडोवुलो पर्वत छु न्यो पर्वत देखि
 यता मानि सह रुव सद छु न्यो पर्वत देखि उता
 परिहर देव हरु व सद छु न्यो लाल परिले के भ
 छु न्यो भन्या मे काफभन्याको पर्वत मा गतो पो
 शाकल्येर वसीर ह्याको थिना या हा हज
 रले मलाई बोलाई कन मानु वछाई वक्तनु भयो
 वछा दिया यिक वाल के आमु रुको वल वाया
 समासभाका आज बहुत दिन बाद दिखाया
 हजुरले मलाई आहा बोलाई कन मानु
 वछाई वक्तनु भयो ठेरै दिन पछि मे फि
 ल को रंग देखाई वक्तनु भयो ॥



रूप सरूप सुभाव सभ मेरे दिल को भाया
 सदा रहे उस्ताद प जाँकतीर का साया
 रूप सरूप सुभाव सवै मेरो दिल लाई खु
 शीलायो उस्ताद माथी सधै भगवा
 न को छाया रहोस् ॥



ॐ मरिजवानी लात परिकी वीच धुने दे सके

मोरे जो भन मे लात जरे ॥ बहुत खडे ओ माहाराजो
को मुगा को चुंभी कहत है ॥ परबनुवालो पर गाज परे

बहुत खरे ओ माहाराजारे ॥



हे माहाराजो यो मेरो छातिको दुइतिर ला

तज जाको छ तपो लात बहुत चोरवा छ कसै

ले मुगा भै छ कसै ले मानिक भै छ जो हरि

हर को बुद्धि पनि हरया को छ जो यस्तो चो

खाता तज स्तोता त मुगामानिक भै छ

लात भन्या जवाहर हो ठेरै रातो र साहो

हुँ छ कस्तो साहो भन्या घन ले पनि फो

रन सक्ने न ॥



छतिया मोरि गजव की खुशार डू ॥

जैसे अंगिया मे कोले धरे ॥

बहुत खरे ओ माहाराजारे ॥

मेरो छाति गजव को खुशिता हो रण छ अ

गियाचो लोलाइ भँछ तपोचो लोभिच कस्तो दे

खिँछ भन्या असत पाक्या को सुतलाराख्या

को जस्तो दे खिँदो भयो ॥



कौ मोरे ला लोला ल जो भन कि ॥

उस्ताद से खवर करे ॥ **बहुत खरे ओ माहार जारे ॥**

कसै ले यो मेरे राती रातो जो भन को उस्ताद

• संग खवर गर ॥

सावन जवानी लाल परिकि ॥



विन पिया घटानहि भावे ॥

रहे रहे दिल रोँध आवे ॥ विजुरि की चमकत डपावे डरावे ॥

विन पिया घटानहि भावे ॥

पिया को विछोड भया कावे लामा यो का तो वाद

ल आया को मलाई कति पनि भाउं दें मेरो रहि

रहि कन दिल ठेगाना मान ठहरि अलम लीछ वि

जुलिको चमक हेरे रज्जू तरफरि कन डराउं छ ॥

अत वर्षा की आइरी गई जा ॥ आज जिया को कल नहि आवे ॥

मेरिओरसे यादिनसजनी ॥

कोउउस्कोसमहावेजावे ॥

विनपियाघटानहिभावे ॥

ऋतुवर्षाकोआयोहेसंगिनी अवमेज्जूठेरै माकुलछ
चैन आराम पाउंदैन मेरोतरफवाटयस्तोदिनमा से
मेरिसजनी कोइछैन बाहागेकन समहाउने मलाई
योकालोवादल मेरादिमाकन भाउंदैन ॥

कासेकहु इस्मेहबूदनमा ॥

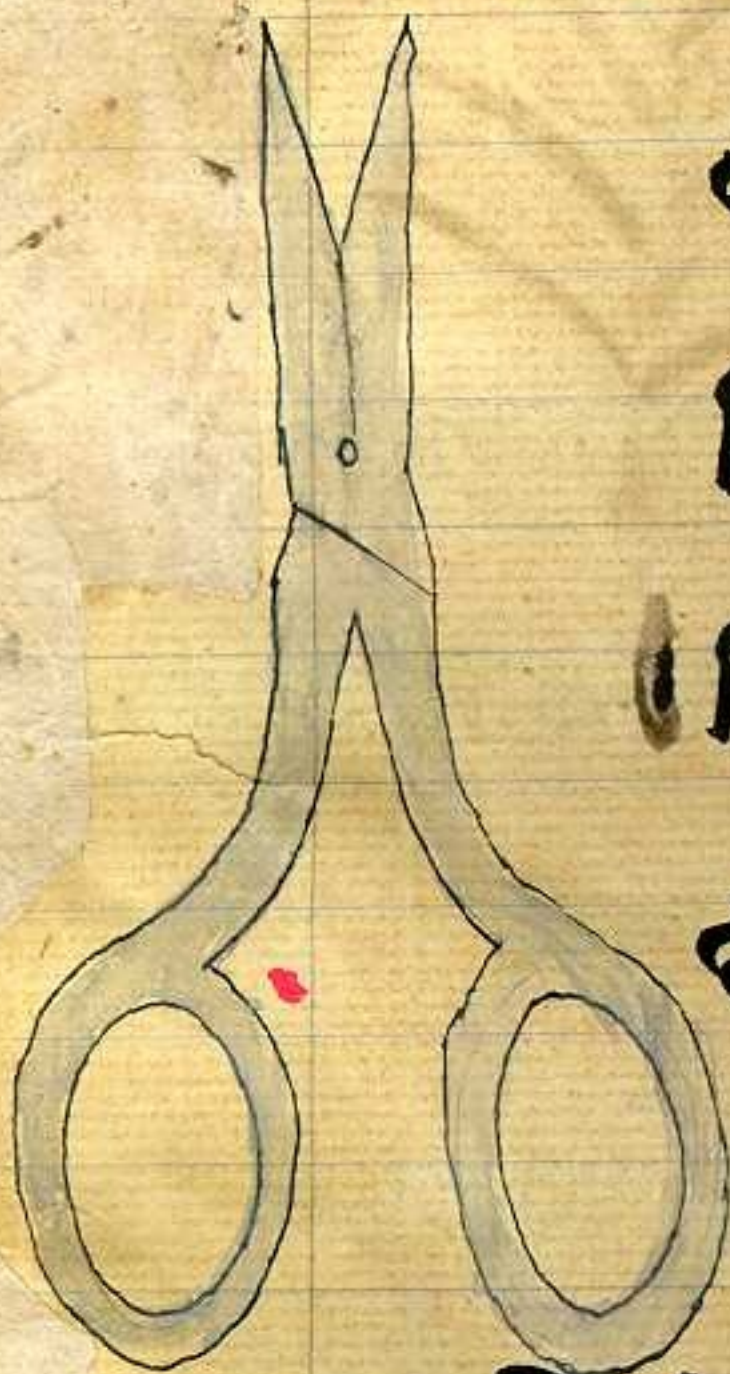
लिखपतिया जोपठावे ॥

पितम्को कोई भरिवर्षामे ॥

दईमारिसे मिलावेलावे ॥

विनपियाघटानहिभावे ॥

अवकोसंगभनुं यस्तो पानिपनेवेलामा चिठिलेखि
कनपठाई मेरो पितम्को यसजोरजुलुम्कोवर्षामा
मयस्तो दुहरिलाइ ल्याइकन मिलाइ देउकि योका
लोवादल मेरोदिमाकन भाउंदैन ॥



उमंड घुमंडके कारिक्दरिया॥

मोहेनाहकनसतावे ॥



कोउ पवन परवाइसेजाकेहे ॥

औरमुलुक वर्सावे ॥

विनपिया घटानहिभावे ॥

वडाकठोरकनभयाका चारैतरफवाट योकातोवाद
लहुकिरुकी उम्रिउम्रिआईकनमलाईनाहककेन
सताउंछन् कोइकसेले पुर्वतिरकावतासलाईभ
निदेउ कि योकातो वादललाई अरुमुलुकतिरल
गीवसाइदेउ मलाई विनापियालेदिलकनभाउदेन

भीजनहुँ अँसुवनकीवूदन॥

मैंहंगा रुर नलगावे ॥



पीरउस्तादको मानकेअपने॥

वनपर्वत परजावेजावे ॥

विनपिया घटानहिभावे ॥

आफुआसुले भीजीरहेकोछु योमेघलेकेनहरिल

उनुपयो आक्रुगहुउलादलाइमानिकन वनमा
पर्वतमा गईकन वसाइदेउ जाहकिनहरिलाउनु
पयो मलाई विनापियालेदिलकन भाउं देन ॥

३



बलाना राजा इन्द्रका सब परिको

वीच सभाके ॥

॥

॥



कारिगत मजे मेसारी ॥ वैठ मेरे पहेलूं मे प्यारी ॥

बहुत लडाई तूने जान ॥ अब है सब परिका ध्यान ॥

तेले रात मज्जामा गुजारि सुप्यारि अब मेरो

पासमा आई कन वस तेले खुव ज्यूलाई कन म

हफिलमा मिहिन तरु गरि सु अब सब परिको

सुने इच्छा छ ॥



यहां लेखत वीर सो

अफने तारिफ मै शय रगाना सब ज

परिका वीच सभाके ॥ ॥ ॥

मामूर हू शोखी से शरारत से भरि हू ॥

धानी मोरियो शाक हू मै सब ज परि हू ॥

क्या नमा ठङ्ग संग सब ज परि आउ न लागी

बोहरा तो छ तेस्को पार बहरियो छ पोशाक पनी

हरियोछ यस्तोनजाठऊ संग आउछ ॥
 क्याअस्तहेसवजेकी मेरेहस्तकेआगे ॥
 फीरेजेसेखुवारऊ जमुरदसे खरिहें ॥

यासबैरकरछअयो



साहादेव

आमद गानासवजपरिकी ॥ जाहासेसवपरिकाहलशुरु ॥

आतीनसे अंदाजसे अवसवपरिहै ॥

तवसुविहै परसवहै पोशाकहरिहै ॥

क्यानजाठऊ संग सवपरि आउनलागिबोहू

हातोछ नेस्कोप्यारवहरियोछ पोशाकपनिहरि

योछ यस्तोनजाठऊ संग आउछ ॥

फीरेजाउसेदेखके खानाताहेहीरा ॥

चेहरेमेजमुरदसेसिवा जल्वागरिहै ॥

फिरेजाते सवपरिकोरऊ देखीनेविनिक्केसरमु

लेवीवरवाउभंछ केनभन्याउस्कोचहेरा
कोरंगचमकपंनाभंदापनिज्पास्तिहुनाले
हिराखाइकनमनरखोजदछ॥

जिनउस्सेखिजालतकेसववउडनहीसके॥
परियोंकोसदाशर्मसेवेवालोपरिहै॥

जिन्दभन्याकोपरिहरुकोलोग्नेहोइनिहरुपनि
सुवपरिकाखवसूरतीछुडाइहेरिकनलाजतेउड
ननसकीताकतहराइजाइअरुपरिहरुलाई
पनिलाजतेध्वारेवेछैनभन्याजस्तोहुनलाग्यो॥

जेवरकीहैक्याशान्छरैसेवदन्पर॥
यकशाखहैनाजुककिशिगूफोंसेभरिहै॥

सुवपरिकापतलासरीरमागहनालायाकोअ
धिकराम्रोदेखिछकस्तोराम्रोदेखिछभन्याज
स्तोफुलकाविरुवाकोपतलाहागामाफुलेफु
लफुल्याकोजस्तोदेखिछ॥

हस्ताहैजमुरदपसदाधानीडुपदा॥



35
क्या हस्त के यीक वाल से सबजी को चरि है ॥

सबज पारिका धानिरङ्ग को पछोराले पंता

लाइ हेरि कन हासि रबाल माउडा उंछ उस्को

उस्त कारव वसुरती का प्रताप ले यस्तो देखि

छकि जति हरियोरङ्ग छ सवै लाइ जितिखा

याको जस्तो देखि छ ॥

आमद की खबर सुन के हसी नो में नहि दम ॥

जो शमा हे मे फिल में चिरागे सहरी है ॥

सबज पारि आउन लाग्या को खबर सुनी क

न मह फिल मा जति राग्गी राग्गी हरु छ तिनि

हरु लाई वेदम् भै चुप लागी दुविधा भाव से

को छ जस्तो वेदान को वन्ति औले मर्द की

औले मर्द की भन्या जस्तो मति नुई छ तस्तो

वेदम् भया को छ ॥



उस्ताद अजब आश को माशुक कहै नाम ॥

शाहाजादा वो गुल्फाम है ये सब पारि है ॥

२६
मे उस्ताद इन आशक माशक हरु को नाउ प
नि अजब को छ ये कलाई शाहजादा गुल्फा
मभै छ ये कलाई सब जपरि भै छ ॥

आना सब परिका बीच सभा के
और गाना अपने हाल माफी के

मामूर हु शोखी से शरारत से भरी हु ॥

धानी मे रियो शाकहे मै सब जपरि हु ॥

मेरो छिटाई यस्तो पुरा छ कि कसे माछे न ओ

खुब चल् पन् मेरो न माम् सरीर मा कुदिकुदी

कन भरिया को छ मेरो पोशाक धानी रंग छ

नाउ मेरो सब जपरी छ ॥

क्या अस्त है सब जे कि मेरे हस्त के आगे ॥

फीरो जे से खुशारु जमुरद से खरि हु ॥

हरियोरंग जो छ मेरो रङ्ग को अगाडी कुने प

नि असल छैन फीरो जामेदा अधिक गाठा

असल रंग छ पना भेदा मेरो रङ्ग चोखा छ ॥

ले लेती हु दिल और फिरि से मिला कर

४०
इसा है वला कया मेनहि जिसे डरीह ॥

येक फेर अम्वर लोक हरु संग मेरा आखा
लेहेने वित्तिकै सो अम्वर लोक हरु को दि
लछिनी कन मोहि लिखु मानि सह रुको
ताक वन गिनति जिन्द भन्या को परी हरु
भँदा जवर दस्तद सो जिह देखी कन पनी में
डराउं देन ॥

शोलाहुं भवूकाहुं गज वरु मेरा गुस्ता ॥

जल जावे परी जाद जो मे गर्म जरीहुं ॥

कैले आगो को ज्वाला जस्तो कैले यक्कासी
छप्पवत्पाको आगो जस्तो मेरी स्यस्तो
गज वकोछ मअलिक रिसां यों भन्या परि
हारु पनि जल्दद ॥

जिन्दान रखेगा मुह सुन लेगा जो राजा ॥

शह जादे गुल्फा मुकी सूरत पः मरिहुं ॥

राजाले सुन्यो भन्या मलाई ज्यू देछा डेन केन

भन्याशहजादागुल्फाममाथिमं आशकभ
याकोछें ॥

बोसमा मैपरवानाहें बोसर्व मैकुमरि ॥
बोगुलहै जाहामे मेनसीमै सहरीहें ॥

शहजादागुल्फामवतिरूपीहो पुतलीहू
आशकलेवतीमाधुमआईज्युदिछ तसैमं
हो उ सरोकारखहो मछुकरहो दुनिआको
उ फुलहो वेहानसवरीकावतासजस्तोमहो ॥

उस्तादकेदमसे चमनेहस्तहै सरसवृ ॥
मैवास्ते ताउसके दागे जिगरीहें ॥

उस्तादकोमेहेरले रूपकोवधेचाहरियो
छ मजुरकाप्यारवप्यारवसवेमादागछ
मेरोदाग कस्तोछभन्यासोमजुरकामुदु
मादागदिन्याहें ॥

चौबोला

राजाजीतोसोगये दियानकुछइनाम् ॥
जातीहमैवागमै जाहामेशक्याकाम् ॥

राजाको सुकालाभयो मलाई इनाम
 केहि पनी वक्या को छैन अले में वधेवा
 माजाँछु आहामेरो केहि काम छैन ॥

सुनरे काले देवरे तूमेरी येक बात ॥
 आतीथी राजाके घर मे आज की रात ॥
 रे मेरो काले देव यो योटा कर मेरो सुन
 मआफु घर बाट आज की रात राजा
 कोहा आउ न लाग्या को थिजो ॥

शहजादा यक वाम पर सोताथाना दान ॥
 जोवन उस्का देख कर निकली मेरी जान ॥
 योटा शहजादा गवरु अफना को सीमा
 सुतीर त्या को थियो उस्को जो भन हेरि कन
 मेरो पान निकल न लाग्यो ॥

उची अपने तरु से तीर कलेजा खाये ॥
 सोताथा वो देख वर हात पावो फेलाये ॥
 शहजादा का इशकरुपी तीर ले कलेजा मा

खाई कनम विमान्वाट उची शहजादला
इहे नजांदा बेखवर सँग हात पाउ फेलाई
कनसुती रखा को थियो ॥



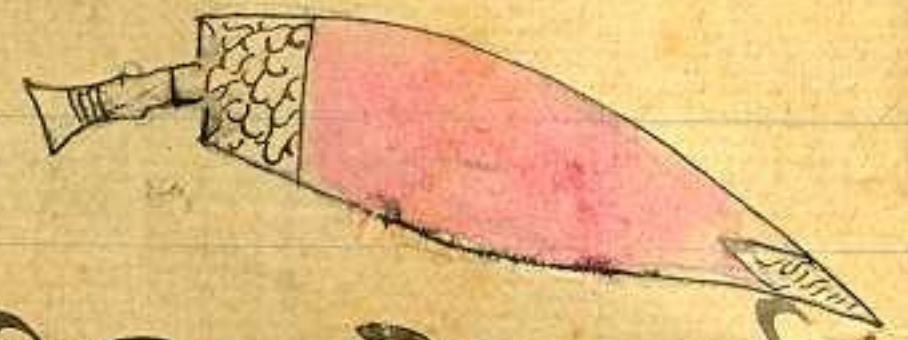
सूरत उसकी देख कर दिल से गया करार ॥

मूपर मूमेने रखा किया खूब सा प्यार ॥

उसको सूरत हेरि कन मेरो दिल को स्थिर पन

गयो बे स्थिर भै कन उसको मुखमा मुख मि

लाई कन प्यारोगयां ॥

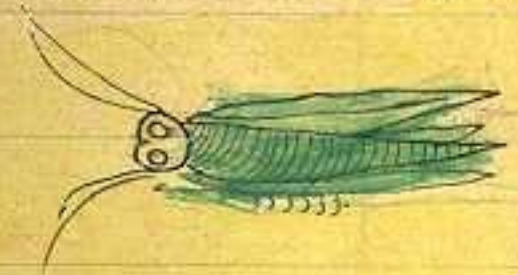


दिल मेरा लगतान हीं मे फिल के दम्पान

कालिब मेरा है आहा बाहा है मे रिजान

मेरो यस मे फिल मा दिल लागे देन सरी मेरो

आहा छ ज्यान मेरो वही छ ॥

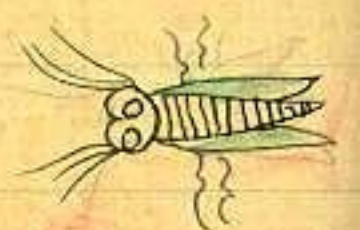


उसको गरनू ला उठा जल्दी जा कर यार ॥

लौ डि मे हो जा उगी तेरी बेत करार ॥

ऐ दोस्त तिमिले उस्ताइ चाँडे आहा त्याई दि

यो भन्या मँवे उजर को क मारी हुँला ॥



४४
सवाल काले देव का सवज परी में ॥

घर में राजा के हेतू परियों के सदा र ॥

तुझ से कर सकान ही हर गिज में इन्कार ॥

• राजा का दवार माति मिस वै परि हर को स
दा र हो ति मिले जे भँखो सो मैले मोद छु ति
मिसंग के हिउ जुर गर्न स कै न ॥

तेरि खाती रहै मुझे सबसे आहा सिवा ॥

पतावता माशुक का लाउ अभी उठा ॥

ना. ति मो या तीर मलाई छेरै मजूर छ ति मो मा
शुक का हा छ को न मुलु क मा छ मलाइ पत्ता
देउ में अँले गै क न ल्याइ दिछु ॥

जवाव देना सवज परी का काले देव के

॥ जातू संगल दीप से अखतर नगर में हो ॥

सोता है यक मा हर लाल महल पर वहाँ ॥

ति मि अँले संगल दीप वाट अखतर नगर भने

को लखनौ मा जाउ बाहाये कलाल महल को को

शीमाचउमारुपीशहजादासुन्याकोछ ॥

कह्यामेदेआइहंअपनाउसेनिशान् ॥

सवज नगोंकीआवसेउस्कोपहेचान् ॥

मेलेआफुओठीउस्कोअंगलामापेहाइकन

निसानागरिआयाकोछुयोअंगठीमापनाको

रंगहरियोनगनाभन्याकोजराउछसोनगाना

कोचमकनिमितेपहिचानीकनूशहजादाताई

उठाईल्याउ ॥



सवालकालेदेवकासवुपरिसे ॥

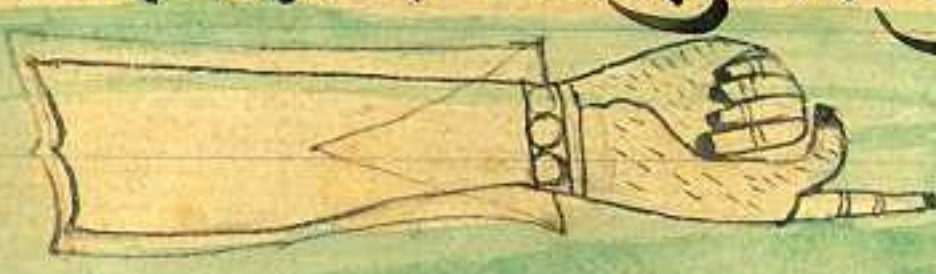
लायाशहजादेकोमेजाकरहिंदुस्तान् ॥

तूअपनेमाशूककोसवुपरीपहिचान् ॥

मेलेहिंदुस्तानवाटशहजादाताईलियेर

आजोंसेसवुपरितिमिआफुमाशुकला

इचिन्ह ॥



जवावदेनासवुपरिकाकालेदेवकोखूहोके ॥

यहीहैशहजादामेरायहीहैमेरिजान् ॥

यहीमेरादिल्लारहैमेइसपरकुर्बान् ॥

यहि मेरो शह जादा हो यहि मेरो जान हो यही
मेरो माशुक हो यहि माथी में जान तेजने हुं ॥



जगाना सबु परी का शह जादे
को पलङ्ग से हात हिला के ॥

सोते हो क्या वेखवर छोड के तुम घर वार ॥
आखे खोले लाडले नींद से हो दुशियार ॥

आफ़ा घर वार छोडि कन तिमिक सोवे
खवर भै कन सुति रखा को से मेरो प्यारे
आखे खोले कन नींद ले दुशियार हो ॥

नींद से जागना शह जादे का
ओहर बडाई के कहना ॥ ॥

कोठ मेरा क्या हुवा छूटा कि घर मकान ॥
सोया था मे कि सजगह आया हाथ कहा ॥

मेरो कोठा को शिक्का भयो मेरो घर काहा
गयो काहा में सुती रखा को थिओं हाथ
काहा म आज्ञा ॥

नाव मेरे लोग है नाव मेरी जा ॥
खावय मे हु देखता जागर हा हुं या ॥



नमरो चाकर हूछ नमरो घर सुतने ठाउछ मे
ले यो स्वप्नामा देव्या को हो कि जागी र स्या को हो
मलाइ केहि थाहा छैन ॥

गजल गाना गहजा दे काउ सी घ वरात मे
घर से आक वर खुदा के लिये लाया मुह को ॥
किस सित मृगार ने सोते से जगाया मुह को ॥

घर बाट मलाई से भगवान् कस्तो जाहा ल्या
या को छ कुन पा पिले मलाई यस्तो निडा
जगायो ॥

हकने क्या रखा व पर सा यदि खाया मुह का
नजर आता है न अपना न पराया मुह को ॥

भगवानले मलाई कस्तो अचं व को स्वप्ना देखायो
मलाइ न आफु न पराइ को कोही नो कर चाकर पनी
देखि दैन ॥

हेफ सदहेफ किसीने नख वरली मेरि ॥

क्या अजी जो ने मेरे दिल से भुलाया मुह को ॥

अफ सोस अफ सोस कसे ते पति मेरो खबर लिया

कोछैन मेरोनाता कुटुम्बहसुसवैले मलाई कस्तो

दिलवाट भुलायाको ॥



नीदसे आरव किसीकी नखुली कोठे पर ॥

उठके जातिमुके नचुंगलसे छुडायामुहको ॥

मसुतन्याठाउमा पहराचौकिहारसवैसुती

रधाको कसेलेपनि मलाई पापीको हानवाटछु

जयेन कस्तो बेरवर भयाको ॥



वसमे जातिमुके मुहे छोड दिया हाथ गजव ॥

ठुठने कोई परस्तामे न आया मुहको ॥

मलाई जातिमुका वसमासवैले छोडाको हाथे

कस्तो गजव भयाको मलाई आहा परस्तानमा

पनि कसेले खोजन आयेन ॥

तादमे मर्ग अबउं मेदरे हाई किनही ॥

किसवलामे मेरे अद्वाने फंसाया मुहको ॥

अवजनमभर योके दवाट छुट्टैला भन्यामला

ई आसछैन यो कस्तो वलामा ऐ भगवानृति

मिले मलाई फंसायाको हो ॥

मुखलेसीकीकोइ ततवीर बतावोउस्ताद ॥

हैबहुतगर्दसे किस्मतने सतायामुहको ॥

सेउस्ताद आहावाट दुदूनलाई कोहीजुगतिमला

इ बताइदेउकि नशिवमा दसालेघेरि मलाई ठेरैस

तायाकोछ ॥

फेरगानाशहजादेका विहागकीचीज

उसेघवरातमे ॥ ॥ ॥

मुहकोनघरसै लाया यह ॥

बताव य किस्काहै गामका ॥ १ ॥

मलाईकस्ति घरवाट आहात्यायो बताव कि योघ

रकस्कोहो ॥ १ ॥

सवविछुडेकोहिसंगनसाथी ॥

अजीजोकोअफनेमैपाउकहा ॥ १ ॥

सवैविछोडभयोमेरोसंगिसाथीकोहिपनिछैन मे

आफु कुदुम्बलोकहरलाई अवकाहापाउ ॥ २ ॥

दिल्काकिस्कोहालसुनाउ ॥

सरपरवापन मा ॥ ३ ॥

40
अवआफुदित्कोहाल कस्ताई सुनाउ जाहावाव
पनिछैन आमापनिछैन ॥ ३ ॥

घरजानकी आसनहीहै ॥

परीकिस्मसीवतमेमेरीजान ॥ ४ ॥

अवआफुघरजानलाई आसपनिछैन योकस्ता
विपतिमा मेरोज्जान्पयो ॥ ४ ॥

फंसगयेहमजालिमुकेफंदे ॥

कोईउस्तादसैकहियो हों ॥ ५ ॥

गोध अवमै योजोर जुनुम्मा फंस्या कसेतेउस्तादसंग
गेकनभनिदेउकि मलाईछुटाउन्याउपायगर ॥ ५ ॥

कहनासवजपरिकागुल्फामसेहात
थामके ॥ ॥

देवानुम्मेरितरफ घरकामतत्पोनाम् ॥

लौडीमुहकोजानकर करोआहाआराम् ॥

रेशहजादामेरोतरफहेर घरकोनाउनलेउ

मलाई आफुदासीसमझी जाहामज्जासंग

आरामकनगर योघर आफ्रैसमझ ॥ ॥ ॥ ॥

जोहोनाथा सोहवा जानेओ वसूखेर ॥

चलोफिरो खावो पीवो करोवागकीसयेर ॥

अवजोभयो भयो जानेदेउ केहिचिंतान

मानअव तिप्रोजोइस्याह हिड्डुलखा

उपिडवगेचामासयेरगरिप्रोसंगवस ॥

वतलावो अवहसवनसवओरुमअपनान

रहतेहो किसकाममै हैगाकांहा मकाम ॥

अवमस्ताईवताउकि तिप्रोजातक्याहोना

उतिप्रोक्याहो तिप्रावावुकानाउक्याहो

कामतिमितेकेगर्दी घरतिप्रोकाहाहो ॥

जवावशहजादेगुल्फामकासवज

परिसे ॥

मैहेतां मेरहताहु ओशहैमेराकाम ॥

शहजादाहैं हिंदका नाममेरागुल्फाम ॥

महलोंमावछ्याहैं ओशमेरोकामहो

हिंदकाशहजादाहैं नाउमेरोगुल्फा

महो ॥

सवालशहजादागुल्फामकासवज
परीसै ॥

तूऔरतकिसकौमकी अपनानामवता ॥

दोनाशानोपरतेरेनिकलाहैये क्या ॥

तिमिकुनजातकोस्वाछिहोनाउतिमोक्का

होयोडुइतिरपाखुरावाटनिस्काकोतेरोक्याहो ॥

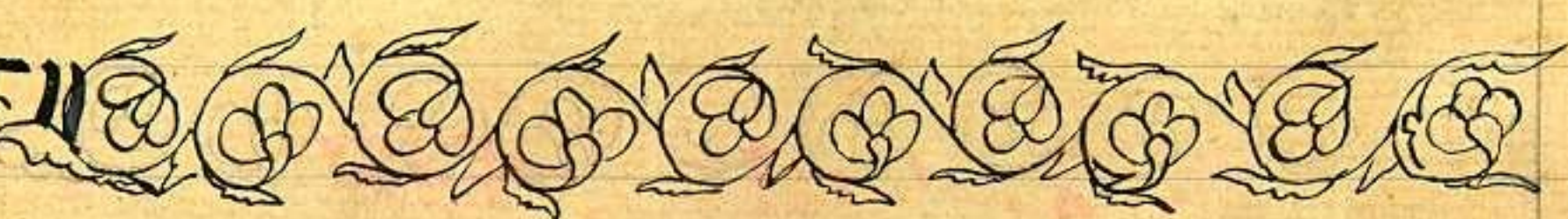
जवावसवजपरीका ॥

कौमकीहुगीमैपरीसमफनतूहैवान् ॥

येदोनापरहैमेरेसेमूरखनादान् ॥

जातमेरोपरीहोमलाईपसुनठानयोडुइतिर

पाखुरावाटनिस्काकोमेरोपरहोसेमूरखना

दान् ॥ 

रहतीहुमैकाफमैसवजपरिहैनाम् ॥

राजाइन्दरकेआहा नाचहे मेराकाम् ॥

रहतीहुंकाफभन्याकोपर्वतमाजाहासैवेपरी

हुरहंदसवजपरीमेरोनाउहोराजाइन्दरकाहा

नाचनेकाममेरोहो ॥



सवालशहजादेका ॥

जल्दीयेवतलामुहे दिल्लोहै वसवास ॥

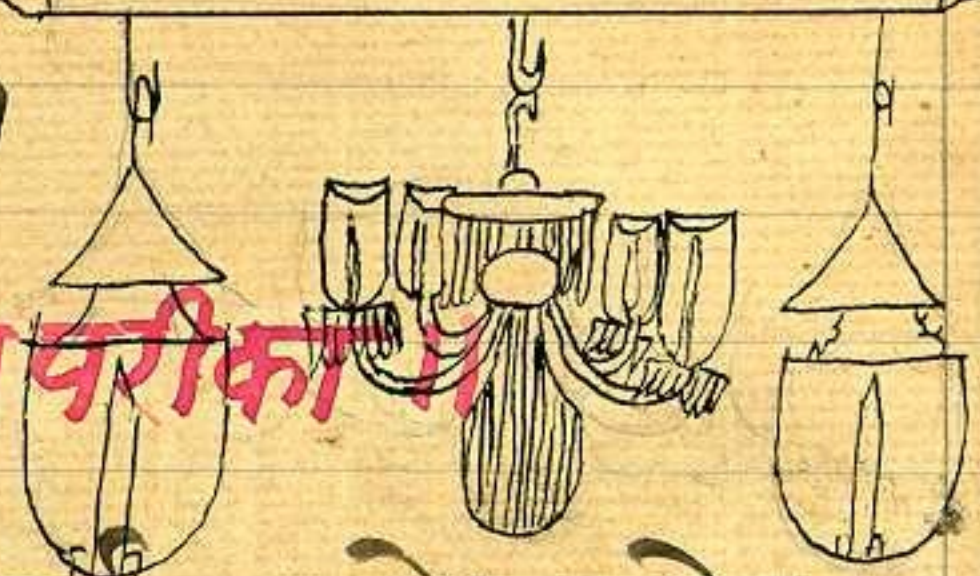
मेरा आना किस्तरहसे हुवाहै तेरे पास ॥

मलाई चाड़े भन मेरो दिल्ला ठेरै हरवर

दु. में आक्रु घर वाट ति मो घर मा कसो

गरि आइ पुग्या ॥

जवावसवज परीका



तुफ पर मे आश कहुई चलते चलते रह ॥

उठामगाया जाहा तुफे भेज के देव स्याह ॥

वाटो मा में उडी कन आउन लाग्या को

थिजों ते सवर वत मा ति मिलाई देख

स्यावित्तिकै ति मिमाथि आश कभ

योर जाहा वाट काला देव लाई पठा

ई कन ति मिलाई जाहा स्याया को हो ॥

मेरखानी जवानी सवज परिकेशाहजा

दागुत्फामसे ॥ ॥

सरप आखोप कलेजेप विठाउँ तुफ को ॥

आमेरे पास गलेसे मैं लगाउँ तुफ को ॥

तिम्रोमायायस्तोलाग्याकोछकी काहाराखं सी
 रमाराखुंकी आखामाराखुंकी कलेजामाराखुं
 अलीकता मसंग आउ गलावाट लगाई प्यार
 कन गरुं ॥

दिलोजांसे मुहभातीहैं अदाअंतरी ॥

पासताचांदसामुं लेलुंवताअंतरी ॥

मेरोदिल औरजानले तिम्रो सूरत बोलनुहिडनु
 खानु पिउनु बधुजोछु सबै मेरोदिल लाइ भाउं
 छु तिम्रोचउमाजस्तो मुख अतिकमलाइत्या
 उर तिम्रोसीरका वलाजतिछु में वोऊंता ॥

लेट्पहुलुंमें मेरे घरकोमैं आवादकरुं ॥

तुफकोलिपटाके गले बस्ससेदिलुगादकरुं ॥

मेरोकाखमा आईकन अलिकलेटर मेरो घरआ
 वादगरुं केनभन्या तिमिलाई गलामा लिपटाये
 र मित्तीकन मनको अभितारवाजोछु पुन्याई मेरो
 दिल खुशिगराउला ॥

जवावशाहजादेका ॥

५५
५२
वस्त्रकीतरीकसमूधरमेंहैरवानामुहको॥
नखवारदारअभीहातलगानामुहको॥
निमिसंग मिलेको योधरमा मलाइ किरियाहा
लेको जस्तो छ देख् खवदार औले मलाइ हात
नलाउ ॥

मुहको नाहान नसमूह दुरहुं दानाहुं में ॥
कोमकी तुजो परी है तो सियानाहुं में ॥
मलाइ तैले लडका वेवून नसमूह में बहुत बडा
बुद्धिमान हुं तेरो जात परी हो मैं धामी हुं ॥
बेसवातु रुसी जमाने में नहीगी जीनहार ॥
आफ वदना मुहई मुह से छुटाया घरवार ॥
तैं जस्तो वेस्पा सँसारमा कोहि पनी छैन केनभ
ने तैं ता सँसारमा वदना मुहई मेरो घरवार में
बाट छुटायो ॥

जवावसवज परीका ॥

जिन्दगी का है मजा ऐसी मुलाकातुं मैं ॥
चंचले मुह से नवघारो न जरा बातों मैं ॥

जिन्दगी कामजा निमिहामी जसो को मुलाकात भया
माहुँ छ केनयसो नाही नाही भनी कन सेखी को
वात गछौ ॥

शुक्र अद्वाह का करल डगई किस्मत तेरी ॥
यकवयक मुहसी परी को हुइ उत्फत तेरी ॥
भगवान का कृपा को गुन मान तेरो न सिव खुल्यो के
न भन्या मजसुती परित आई अचानक ति प्रोमाया
लाग्यो ॥

तुफ को दीवाने नहीं शर मुजरी आती है ॥
रवाब में भी कभी डंसा के परी आती है ॥
तिमिलाई से बहुला अलिक तिलाज पनिला देन
परिहर को हिमाँडे को स्वप्ना मायनी आउंछ ॥
देख पछतायं कमि राजो वरा दितु होगा ॥
रस्त तुफ को न परी का कभी हासित होगा ॥
देख मेरो दिल बेखुश भयो भन्या पछि तिमिलाई पछु
ताउनु पर्ता फेरि पछि वाट को हि परिहर तिमिलाई
मिलन पाउ न्या छैन ॥

५७
जवावशहजादेका ॥

घरकेछुटनेकाहेगम् आहोफुगाकर्ताह ॥

वस्त्रकावायदा इसशर्तसेहोंकर्ताह ॥

मलाइघरछुटनालेसाहै अवशोसह्य यसेनिमृत्तिले
मं चिच्चाईकनरुह्य निमिमिलनेका यसकबल्लले
करारगह्य ॥

सुनीइंदरकासभामैने कहानीमैहै ॥

उस्काअरमानमेरीजोश जवानीमैहै ॥

इंदरकामैफिलकोवयान्मैले कथामासुन्याकोह सो
सभाहेनेलाई मेरोयोजवानीकाउमेरमाठेरै इक्ष्वात्ता
ग्याकोह ॥

औजलसोंकातोहों हिंदमैभीचर्चाहै ॥

नाचपरीयोंकामगर मैनेनहीदेखाहै ॥

औरनाचगानजलसाको हिंदुस्तान्मापनिचर्चाह
मैलेपरीहरुका नाचकैलेपनीहेयाकोछैन ॥

साथअपनेमुफेलेचलके वोजलसादिरबला ॥

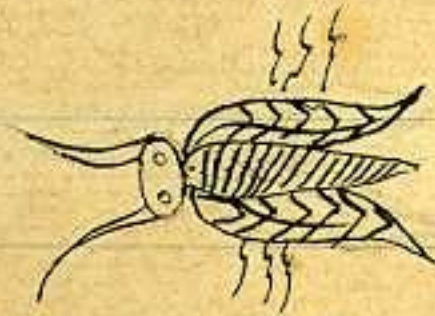
राजाइंदरकेअखाडेकातमासादिरबला ॥

मलाइ आकुसाथमालगी कन सो जल सादेखाई देउ
राजाइन्दर का अखाडे मा जो जोत मा साई छ सो सो म
ताई देखाई देउ ॥

सयेर मै तेरे सवव वाहा की जो येक वार करी ॥

जीते जी फेरन कभी वस्त से इन्कार करी ॥

तेरो निमृति वाहाइन्दर का सभा को येक फेरा सयेर
गरी हालुत ति मिसंग मिलने का मेरो जूता भर के ले
पनी नाही भन्या छैन ॥



उमर भर पास से तेरे न कही जाउ मै ॥

जो कहै तू उसे आखां से वजाताउ मै ॥

मेरो उमे भर ति मोया सवाट अने व मे कही पनी जाने
छैन ति मिले जे भंछौ सो मै ते आखावाट वजाई ल्याउला ॥

जवाव सवज परिका ॥

भैसी बातों का जवां पर नही लाना अच्छा ॥

जान आफत में नही मुफ्त फेंसाना अच्छा ॥

यत्नो कर मुखवाट निकालनु वठिया छैन केन भने आ

कुप्या न लाई वला मा मोफत फसाउनु वठिया छैन ॥

देता इन्द्रका अखाडे पर अवसुजान हैतू ॥
 सखत वे अकल है दीवाना है नादां हैतू ॥
 इन्द्रका अखाडा है न लाई विनासिति तिमिके न जान
 दिछौ साहे बेवुजर है छौ बहु लाय छौ नादान भया को छौ
 ऐसी जा मेर को इन्सान ही चलते है ॥
 बां मेरी जान परी जाद के पर जलते है ॥
 यलो ठाउँ मा आदमी हरु जान स कै न के न भन्या उस बा
 मा परी जान हरु को पनी पर जलद छ ॥
 आफत आजाय गीतु पर अरेय क जान के वीर
 आदमी जाद का क्या काम परिस्तान के वीच
 ये कहि नु मा अरे तिमि माथि कोइ आफत आइ ला
 आदमी हरु को परस्तान मा जान लाई के हि काम दैन
 कोइ राजा को खबर जा के लगा देवे गा ॥
 फूक देगा ब्रोतु फे मुह को जला देवे गा ॥
 कोहि राजा लाई गे कन चुगती गरि दियो भन्या तिमि
 लाई पोती दिछ मलाई जलाई दिछ ॥

नज
 के द
 जलाये
 अथवा
 कबाम
 में न
 काम
 में माने
 न्या को
 बात
 वाई
 जोकरा
 को तैले
 तुवि
 इस
 बाहक

नजलायेगा तो आफत मे फसायगा तुम्हें ॥

कैद कर्के बोकवे खुबरु कायगा तुम्हें ॥

नजलाये न भन्या अरु कोही आफत मा फसाइ दिछ
अथवा फसाइ पनी दिये न भन्या निमिताइ केदगरी
कवामा खसाती दिछ ॥

जवाव जहजादे का ॥

मैं न मानुंगा न मानुंगा कभी बात तेरी ॥

काम किस रोज के आवेगी मुलाकात तेरी ॥

मैं माने दैन मैं माने दैन कैले पनी तेरो कुरा बाहालगे न भ
न्या को ना दिन काम आउछ निमिसंग को भेद घाट ॥

बात जो अस्तथी में अकसे पेहे चानु गया ॥

वाईस इन्कार का जानी मेरा दील जान गया ॥

जो कुरा असल थियो मेरो बुझिले वही सकें मलाई न लगे
को तेले से जान मेरो दिल् ले बुझो ॥

तु किसी देव की खिदमत में बहा आती है ॥

इस लिये मुह को सभा में नहीं ले जाती है ॥

बाहा को ही देव हरु तिघोया रहू उसै संग मिलने का खाती

६१
जवावसबुपरिका॥

वातहरणीजयेजवांसे ननिकातो साहेव ॥

होशमें आवो जगमंको संभालो साहेव ॥

ऐसाहव यस्तोकरा मुखवाट केलेपनी ननिकाल हो

शागर ऐसाहव अतिक मुखस ह्वाल ॥

देवसे मुहको बुरा कामजो करना होता ॥

आदमिजाद यः कीस वास ते मरना होता ॥

यस्तो ननिको काम देव हरु संग गर्ने भया तिमि आद

मिमार्थी केन मनु पर्थो ॥

मैं परिहोके और ऐसे यः फीदा जान करूं ॥

येडी चोटि यः मुवे देवको कुर्वान करूं ॥

मैं यस्तो पशु भैकन यस्तो देव हरु संग केन ज्या न ते जनु

पर्थो मेरो कुर्क चार बुल्लो मा मन साई कन उस मुह

देव लाई फाति दिंदु ॥

जवाव गहजादाका ॥

दिल हरये कशरस का फदे में फसाती है नु ॥

ऐपरी कीयों मुह वातो में उडाती है नु ॥

॥ निमिहरयेक आदमिकादित् फंदामा फसाई कनलोभा

॥ इतिह मलाई केन रेयरी यस्तो उडाउने कुरागद्धो ॥

ल हो सुवह होति है मेरी जान कोई आन के बीच ॥

भैरवी मुह को सुना चल के परास्तान के बीच ॥

अले अली खेरमा रे मेरी जान वेहान हुन लाग्यो अव

चाड़े परास्तानमा चली कन मलाई भैरवी सुनाउ ॥

ताद वां नले जायेगी तो जीसे गुज जाउगा ॥

में अभी अपना गला काट के मर जाउगा ॥

वाहो परास्तानमा मलाई लगेन भन्या म आफ्रुज्या

नछाडि कन यो छुरी ले गला काटी मरी जाउला ॥

जवाव सवज परीका ॥

मुफत कीयार खराव अपनी जवानी तूने ॥

हाय अफसोस मेरी बात नमानी तूने ॥

रेयार मुफतमा आफ्रुजवानी निमिते खराव गयो हा

य अफसोस मेले भन्या को कुरा यो दय निमानेन ॥

अव मिलेगा न अजीजों से नमावाप सेतू ॥

शोर के मुं मे मेरी जान चला आफ सेतू ॥

आफुनाताकुटुम्ब आमावावकसेसंग पनी अवतिमि
ले भेदघाटगर्न पाउदेनो रे मेरी जान आफे खुशीले
आफे बाधकामुखमा पर्न लाग्यो ॥

थकगये होठ काहातक ओर समझाउं में ॥

चल अखाडा तुम्हे इन्दरका दिखालाउं में ॥

निमिलाइ समझाउदा समझाउदा मेरो वोट पनी थाकी
सकियो निमिलाइ मैले भन्याको योराकुर पनी माने
न लौहिड निमिलाइ अखाडा इन्दरको दिखलाई ल्या

जवाव अजादेका ॥

किस्तरह चलने पः तैयार मेरी जाहू में ॥

तुपरी जादहे चालाक ओर इन्साहू में ॥

रे मेरी जान कुरतरह सित हिडनलाई तयारहुं ति
मिता परी जात पर भैकन चलाकी हो हामि आदमी
हो कसो गरी तिम्रो साथ जाउं ॥

उडकेतू जायगी येक पल में परिस्तान के बीच

हाथ फेलाके मै रह जाउगा अरमा के बीच ॥

निमिताउडिकन येक पलामा परिस्तानमा पुग्छो में

तिमि
ले
की
ने
ल्यार्ड
ति
मी
व
॥
॥
में

आफु इस्थाले हात फेलाइ कन यहीं रहि जाछु ॥
कोई उड चलने की तत वीरवता दे मुह को ॥
पर किसी देव के नू नोच के लादे मुह को ॥
मलाई पनी के हिउ डने का जुगति वताई देउ होइन भ
ने कोई देव हरु को पर ल्याई कन लाई देउ ॥

जवाव सवज परीका ॥

वहै की वाते न करो होश मे आवो जानी ॥
न परीजाद से वे पर की उडावो जानी ॥
केन वह लाही वात गछौ होश मा आउ जानी हमि
ता परीजाद हुं परछ तिमि केन वे पर को उतैगी उडाउ
तलाप्यो तिमि लाई जुगति वताई दिछु ॥

धाम ल्यो पाया मेरे तरवत का अवहात से तुम् ॥
छुट जानान कहीं राह मे पर साथ से तुम् ॥
मेरे तरवत का खुदा समाती लेउ यस्तो बलियो संग स
माउनु कि कहि वायो मा मेरो साथ वाद छुट न पावसु ॥
मुह सेवा जाके कोई वात न करे ना साहेव ॥
पीछे पीछे मेरे तुम् नाच मे रहना साहेव ॥

ब्राह्मसभामा पुण्यापद्धि मसंग के हिकरानगर्भ मनाचने
वेतामा मेरो पद्धि पछी वछु ॥

गाके और नाचके वृत्त सबको बनाउंगी में ॥
तुरुकोले चलके दरखतो मे छि पाउंगी में
मे गाई नाची कन मे फिलको सर्वे लाई मोह लेवे हो स
गरी बनाया को मुर्ति जस्तो गराई दिखु निमित्ताई लग
कन रुख मा छि पाई दिखु ॥

किसी आफत मे यकायक अगर आना जानी ॥
या दरखना के मुझे भूलन जाना जानी ॥
रे जान् निमि माथि के हि आपत् आइला पो भने
मलाई न विर्सन या दरखनु ॥

आना दुसरी दफा सब जपरी का बीच
सभा के और छंद गाना ॥ ॥ ॥

सभा में वृत्त वाकर मुझे आपकी आशम् ॥
आई हु मे फिर यहाँ करने अपना काम् ॥
सभामा मलाई वलाई कन आफु सकाता गर्भ भयो अ
ले फेरी मे आफु काम गर्न आया कोछु ॥

६६
करने अपना काम यहाँ फीरु में आई ॥

ठुमरि छंद गजल की जी में धुन रहे समाई ॥

॥ जाहम आहु काम को खातीर आया कोछु ठुमरि छंद
द गजल जति छ सवे गाना गाउ छु भनि मेरो हित्मा
यस्तो आया कोछ ॥

समाबंधे गा आज जो मैं जी खोल के गाई ॥

कहेंगे सब उस्ताद ने क्या क्या चीज बनाई ॥

॥ आजो ठेरे बेर सम्म गाना बनी ने छ मैं जूलाई कन गा
उंछु सवे लाई मज्जा आया पछि सवे ते भई छु कि उ
स्ताद ले कस्तो कस्तो ची^ज बनाया कोर हे छ ॥

ठुमरि जिवानी सुबु परी की बीच धुन पर जके ॥

मेरि अखिया फर कन लागी ॥

कहा गयो यार कि धर गई सखि जा ॥

आखा मेरो फर कन लाग्यो भुभ भने भयो मेरो यार
कहा गयो मेरो सखि हरु कहा गयो जाहा कहीं पनी
पाई दैन ॥

देह फुकत हैं जियात उपत रहे ॥

पीतलगाके मजा हम चखिजों ॥

सरीर मेरो जल्द दिल मेरो तडफरा उठे प्रीति लाईक
न तेहि मजा चखिजों ॥

नेन न में दिलार वसत है ॥

ये अखिया इतमास परखिजा ॥

आखामा मेरो हरदम यार को ध्यान रही रहै यो
आखामेरो कस्तोद भन्या हिरा पार खगर्मा हो ॥

वत वत जाई मे उस्ताद के ॥

वीच सभा में मोरी पतर खिजा ॥

उस्ताद को उपरमा मेले मन सीकन ^{जाई} ला के न भन्या
यो सभामा मेरो इजत राख्यो ॥

ठुमरि दुसरी जवानी सब जपरी की वीच धुन
परज के ॥

सुध लाग रही तोरि आठ पहर ॥

तन मन की नहि मोहे खाक खबर ॥

तपाई को सुना आठे पहर यस्तो लाग्या को छ कि मेरो त
न मन बाट के हिखाक खबर दैन ॥

निसबासर मोहे कलन परत है ॥

दिखला देह लक कहें ये कनजर ॥

निमोद सन विनारान दिनु मलाई कल पदेन धेरै न भयाप
नि अलिक आमु सूरत को हलक कहें ये कनजर भरदि
खलाई देउ ॥

अर्ज करत मोरा जियारा डरत है ॥

दिल धरकत देह कंपत थर थर ॥

हे स्वामी रिसानी न हो सु निमि संग यस्तो विनिगर्न लाई
पनि मलाई यस्तो डर लाग्यु कि दिल धर कैछु सरीर मेरो
थर थर कां पछु ॥

हर कापता उस्ताद लगाने ॥

बहुरि सी फिरतहु जिधर तिधर ॥

ऐ उस्ताद निमि मेरो स्वामिको चाडो पताल गाई देउ व
हुलाई जस्तो यताउता फिर्दछु ॥

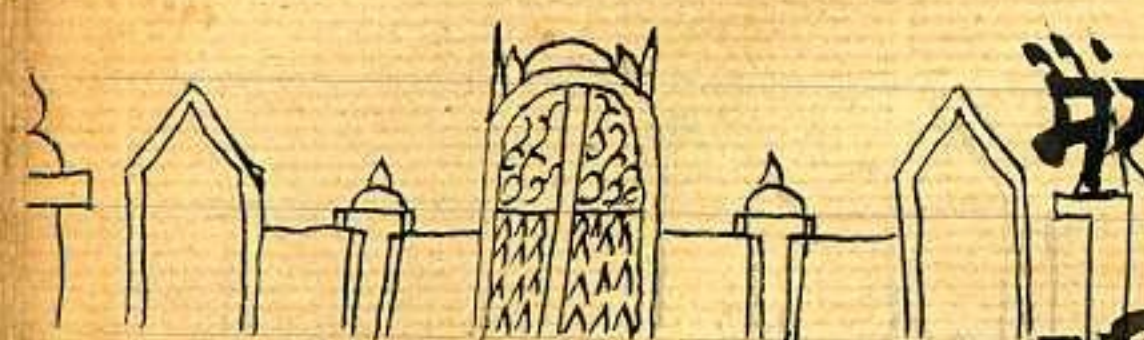
चुगलिरवाना लाल देव कारा जाइइ से ॥

महाराज को हकर खेशाद काम ॥

नइ आज है अर्ज करना गुलाम ॥

महाराजलाइ भगवान् लेसधे खुशी राखुन आज ये कन

आ अर्ज गुलाम् ले विंति चठाउन आया कोछु ॥



मैं वाताथा इसदम चमन की हवा ॥

हकी कतबो देखि के होश उडगया ॥

मैं अले वगे चामा हावा खाई रखा कोथिनां बाह्ये

कयस्तो अचंभ देख्मा कि मेरो होश उडिगयो ॥

शजर है पुराना जोशम शादका ॥

गुजरवां है येक आदमि जादका ॥

बाहा जो येक पुरानू शम शादका रुख थियो मैले

सो रुख को तल येक मांछे जस्तो देख्यों ॥

नहिं करती असलामेरी अकल काम ॥

बोइ सारुं है या के माहे तमाम ॥

उस्को खवसूरत देखने विन्तिके मेरो अकल हरायो

के हि समरुमा आयेन उस्ताई आदमी भुनकी पू

रां चइ मा भुने ॥

उसे कौन लाया यह अपने साथ ॥

इसी की क्रमें कवसें मलता हुं हाथ ॥

कन उस्ताईकस्तेभाहाआफुसाथलगईल्योयो यही
सोचले केलेदेखि हातमलछु ॥

कहनासवजपरीकानिरासहोकर
लालदेवसे ॥

नकरलालदेवइस्तरहकेकलाम् ॥

अरेवेमुरवतजवां अपनीथाम् ॥

ऐलालदेव तेंयसोकराकेनगईस् ऐसीतमुभाव

नभयाकोछुत्पाहाअतिक जिभोलाईरोक ॥

खुदाकेगजवसेजरा हितमेंकाय ॥

चुगतरवारकेमुंकोडसतेहैं सांप ॥

भगवान्कोरीसते मनमा अतिक डराउनुपर्छ तेंलाई

थाहाछ छुत्पाहाकोमुखमा सांपलेडसछ ॥

परीकीतरफदेख ऐमकनवन ॥

उरएसैवाजआ वकोलेहसन ॥

मं पराहो मेरोतरफहेर केनबुद्धिनभयाकोमुखहुईस्

कसेकोबुराईचुगलीगर्नुछोडदेजस्तोमीरहसनले

आफुमसनवीमा लेख्याकोछ ॥

किसीकी वही तुनकर औवहे ॥

केउ सका खुदा आते मुलगे वहे ॥

कैसेको वुराई वेडुत नगर्नु ठेरे पायछ केन भन्ये भगवा
न सवेको जाने बुझनेछ ॥

दिले आशक उ सेवा तसे हीत गया ॥

तुहे हायेक म्बख क्वा मिल गया ॥

मेरो दिल तेले यस्तो कर गर्ने वित्तिके यस्तो हिल्यो कि
मं भन सक्तिन तलाई ऐक वख यस्तो करामा के मिल्यो ॥

पूछना इन्द्र काला तदेव से गुस्ता होकर ॥

अरे देव तुहे ये क्या वकर हा ॥

मेरो बाग मै काम इ सौ का क्या ॥

ऐ लाल देव ते केन यस्तो कर वकछस् मेरो वगे चामा
मानि सह्रुको के काम छ ॥

हुवा कि सतरह ओ वशर का गुजर ॥

परि नदों के देह शत से जलते है पर ॥

आह मेरो वगे चामा माँछे क सो गरि आउन पायो पछी

हरुको ता डरले पर जल्छ ॥

७२
कदमरखसकेजीनकी क्याजानहै॥

फिरआतोकीआं अकूहैरानहै ॥

मेरोवगेचामा जिन्हरुतेतापाईतलाराखनताकन
छेन स्वर्गलोकका अम्वरलोगहरुको अकलहरा
उंछ ॥

किसीदेवसेआशनाईनहो ॥

परीकोईसाथअपनेलाइनहो ॥

कसैदेवहरुसंगप्रीतिलायाकोछकी अथवा कोईप
रिआफुसाथत्यायाकोहो ॥

उसेखेंचलापासमेरेशीताव ॥

केगुस्सेमेहैहालमेरा खराव ॥

उस्ताईचोडेसमातिलछाडी मेरोहजुरमात्याउके
नभन्यायसबखतरिसलेमेरोमन साहै खरावभ
याकोछ ॥

जानालालदेवकापासगुल्फामकेपूछनागुस्सेहोकर ॥

वशरहैकि जीनहैकि सायाहैनु ॥

परिस्तानमेंक्योकरआयाहैनु ॥

तैं आदमिहोकी जीरहोकी अथवा छायाहो परसा
नमा तैं कसोगरी आयाकोहो ॥

उठाओखकरजल्द मुहसेवयाँ ॥

विठयातुहे किसनेलाकरआहा ॥

मः तिरहेरिकन वयानगर किआहा तैं लाईकस्ते
त्याइकन राखेया ॥

चमनकाकोई गुल्फेवूटाहैतू ॥

सितारावयावनकेटूटाहैतू ॥

तयसवगेचाकाकोहि फुर्कोबोदहोकि अथवाता
राहरवनीकन खसी आयाकोहो ॥

परीपरयेशैहदातेरादित्तुहुवा ॥

अखाडेमें इन्दरके दारवीलहुवा ॥

तैं परीमाथी आशकभई बहुलायेर निर्भयसंगइ
दरका अखाडामाचडो आइपुगे ॥

मेरेसाथचलजल्द सेवेशाउर ॥

बुलायाहैराजाने अपनेहुजुर ॥

अवतं मेरोसाथ हिड् से बहुलावेकफ राजा इन्दरलेआ
फ्राहुरमा जकाकोछ ॥

लानालालदेवका गुल्फामको रवींचकरगेव
राजा इन्दरके ॥ ॥

हुजुरीमें हाजीर है ये शोलाखु ॥

महाराज साहेव नीगाह रोवरु ॥

हजुरका सामना योरिसानी गराउन्या हाजीर भया
कोछ से माहाराजा साहेव हजुरवाट नजर होस् ॥

वजा आपका हुकम लाया गुलाम् ॥

चमनमें पहुच कर कीया अपना काम् ॥

हजुरवाट हुकम भया वमोजिम् गुलाम् वगेचामा
गयेर आफ्ता काम गरी हुकम वजाई ल्याजों ॥

राजरके तलेसे उठाया डसें ॥

सभाकी तरफ रैवें चलाया डसें ॥

सो वगेचाको राजरका रुखमनिवाट यस्ताई उठाइ क
न सभामा घिसारी ल्याजों ॥

डरामैन कुछ इसकी फरयाद से ॥

उठा लाया कुमरीको शमशाद से ॥

ॐ
यस्कोरुन फिरादगर्न मेले केहिन सुनी जसो वाजले ठुठ
रलाई निर्भये पकई तसो सजर काख वार यस्ताई पक
ल्याओं ॥

सितम कीजिये जो सजाधार है ॥

खडा दस्त बसता गुनाह गार है ॥

जो सजायस्ताई हुकूम हुई सजा लाये कछ विराडने
यही हो हात बाधी कन हजुरमा हाजीर छ ॥

पूछ नाराजा इन्दर का गुल्फाम से सब वदा

खील हुने का परस्तान में ॥

अरे कौन है तु तेरा क्या है नाम ॥

सभा तुने की मेरी बरहमत माम ॥

अरे तें को होस् तेरो नाम क्या हो तैले मेरो तमाम सभा
छगरिस् ॥

तुहे लाया जौ कौन से वद सिफात् ॥

वयां मुह से कर जल्द यः वार दात् ॥

तलाई कस्ते ल्यायो नाहा से वद मास् यस्को वृतांत बा

मेरा हजुरमा वयानगर ॥

लेहुक
ईपकी

कियाकसदतूने परस्तानका ॥

नरेवोफआयाअपनीतुहेजानका ॥

तैलेपरिस्तानमा आउन्या इराहागर्दखेरि तंताइ आ
फुज्यानजाने केहि डरलागेनर जाहाआयाकोहोस् ॥

मेरिसारीमैफिलकीलियाआवरु ॥

जाहाघरनेआयापरियोंकोतु ॥

तैलेमेरोतमाम् मैफिलको आवरु लिइस् तैलेक्या
जाहापरीहरुसंग आशकगर्नताइ आयाकोहोस्की ॥

बताहात आनेकास्पेददर्नाक ॥

जवाकरअभीवनकरडुंगारवाक ॥

तं जाहाआयाकोहातकुन्रदर्दतेहो चाडेसाचोनछा
दिकनमेराहजुरमाविंतिगर गरेनसभने औलेतंताइ पो
तीरवाकगरीदिछु ॥

अर्जकर्नागल्फामकागजाइदरसै निरास्
होकर हातजोरके ॥ ॥

कहुक्याफलकका सतायाहुमें ॥

याहाखेलकरजीपः आयाहुमें ॥

चाडे

मलाई आकासवाट सतायाको हो और केविति चढाउँ
जाहामं आफु ज्यान त्याग गरी आयाको छु ॥

परि सवज है जो अखाडे मे यां ॥

उसी काहुं दीवाना में निमजान ॥

यो सवज परी जो हजुर का अखाडा माछु ते सै को निमित्त
आधा जू भयेर बहुलाई रहेछु ॥

सभा की सहाधुन सुनाथामें ॥

इसी फिक्र में सर को धुन ताथामें ॥

हजुर का सभा को धुन मे ते सधै सुनिरह्या को धिजां ते
ही सभाहि ना को मन सुवाले मंसधै सीर पर की रहेयां

व आने लगी आज की सवजों यां ॥

लटक करहु वा तखत मे मेरवां ॥

यो सवज परी जाहा आजोरतमा आउन लाग्या को थि
यो उस्को तरब का खुदा समाती कन मं पनी जाहा आइ

वला में हुवा यांगिर फतारहुं ॥

जो चाहो सजा दो गुनेह गारहुं ॥ त.ले.

७८
भाहयोवला मामं पकाउभैरहेछु अवहजुरवाट
जोनिगाह मं विराउने सजा वारभयाकोछु जोहकम् ॥

बलानाराजाईन्दरकासवजपरीकोअपने
सामने और लानत मलामत कर्ना ॥ ॥

अरेवोपरीसवजवो वेहया ॥

मेरेसामने जल्द आवेसवा ॥

अरेऐसवजपरी लाजनभयाकोनकचरी मेरोसामने
चाडैआवेस्पे ॥

धरिहैतेरिजात बुन्याद पर ॥

केआशकहुई आदमीजादपर ॥

थुक्तेरोजात तेरोजनम् पुस्तामाथी आदमीजात
सितगैकन आशकगर्भ ॥

वनायाअरितुनेइसाकोयार ॥

वकोलेहसनसुनतोऐनावकार ॥

अरेतैलेआदमीजादकोयार गयाको जस्तामीरह
सनलेभन्याकोछु हेऊकामगर्भ ॥

तेगरेगगेरतसे उडतानही ॥

तुम्हेक्यापारिजाद जुतानही ॥

लाजलेतेरेचेहेरापनी उचैन तेरोमुखवाटंगपनिउचैन
कस्तोठिठ्ठाजनभयाको आदमीजातसंग इशकग
याको परस्तानमातलाई तेरोजातहरुकोहीजुदैँन ॥

सभामैलगालाई इन्साकोसाथ ॥

तेराअवगरीवाहेऔर मेराहात ॥

मेरोसभामातैलेआदमीलाईसाथलगाईत्याइस्
परव अव तेरोकठातोहो मेरोहातहो ॥

अर्जकरनासवजपरिकाराजाइन्दरसेओ
रलेजानागल्फामकोऔररोनागलेति
पटाके ॥ ॥ ॥

५

जफावसितमकीसजावारहं ॥

हकीकतमेतेरीगुनहगारहु ॥

केदगर्नुमानुपीदूनु अखाडावाटनिकातनु जलाउनु
जोइस्याह हजुरकागुनाहमेलेगयाकोछु जोसजाहुँछु
सोसजावारहं ॥

अरेक्योंमैवांनुरुसेकैहिनीथिक्या

नमानामेराहायतूनेकहा ॥ ॥

४४ ५०
ओर मैलेवाहा तसंग केचेके भनेको थिज्यां मैले भन्या
हाथे तैले के ही पनी मानेन ॥

वला मै पर आफ भी वेखता ॥

मुझे भी अखाडे मेरु सुवा किया ॥

आफु पनि वेखता मा यस्तो वला मा पयो मलाई प
नि अखाडा मा वेइ जत गरि वदना मगयो ॥

काहा फेंके अवदेखुं राजा तुम्हे ॥

खुदा को मेरि जियानु सौ पा तुम्हे ॥

अवहे रूग जाले तलाई काहा फाली के के गछे से
मेरि जियानु अव तलाई मैले भगवानु तलाई सौ पिदिना ॥

जो जीते है तो फेर भी मिल जायेंगे ॥

नहि तो किये की सजा पायेंगे ॥

जो जूवा चीर खो भन्या फेरि पनी मिलन पाउला
होई न भन्या आफु ले गया को सजा पाउला ॥

१
कहना राजा इन्द्र कालाल देव से वास्ति गुल्फा
मुके के दकने को और निकलवाना सबज
परि को अखाडे से पर नोचके ॥ ॥ ॥

५५
ओरे देव कर कस्य वेदाद का ॥

पकड हाथ इस आदमी जाद का ॥

रे देव अब तें सजाग न लाई तयार हो यो आदमी जा
द को हात समा ॥

कुवावो जो है काफ में परखतर ॥

अभी उस में जाकर इसी कैद कर ॥

काफ भया को पर्वत माव डो डर लागे कुवा जो छु ओ
ले उसै मा लगि कन यस्ताई कैद गर ॥

परिस वजये है जो आगे खडी ॥

खता की है इस वे सवाने वडी ॥

यो सव जपरि जो अगाडी उभीर त्या को छु यो वे स्पे
ले व डोर खता ग या को छु ॥

सो नुनो च कर इसके पर और बाल ॥

अखाडे से मेरे अभी दे निकाल ॥

सो ते ते यस्को पर रैं सबै उखेली कन मेरो अखाडा वा
ट औले निकाली दे ॥

उडाती फिरे खाक ये कुवकु ॥

न आये हमारे कभी रोवरु ॥

मीजा योपरि गध्वी गध्वी माछु तो छरी छरी कन फिरो समे
रो अगाडी के ते पनी आउन नया वस्त्र ॥

आना सब जपरी का जोगन वन के पर
स्तामे और आम गाना लोगों का बीच
भैरवी के ॥ ॥ ॥

ओ जोगन आती है परी वन के परित्तान क बीच ॥

सुमरनें हातों में मुन्दरे हैं पडे कान के बीच ॥

स्ये अव सब जपरी जोगन भै कन परस्तान मायस्तो धज
संग आउन लाग्यो कि हात मा सुमरन कान में सु
डा लाइ कन आउन लाग्यो ॥

सरपः इन्दुवा है रवे मूयः रमा ये है भभुत ॥

सेतयां डाले है गरदन में गरीवान् के बीच ॥

गवा इन्दुवा भन्या की चक्री हो जो साधु हर सीर माला उछ
उस्ताई इन्दुवा भै कन वही सीर माराखी कन मुख
मा भभुत लाई गला मा सेती लाई कन परस्तान मा आ

४१
आउनलाग्यो ॥

५३
चातमतवाली है आखें मये इस्क से तात् ॥

मस्तशहजादे अगुत्फाम के है ध्यान के बीच ॥

उस्को चाल भन्या मतवाली का जस्तो आखा भन्ये इ
स्क का सरावले लाल भया को गुत्फाम का ध्यान मा
मस्त भया को जस्तो छ ॥

सर को धन ते है सदा सुन के चरिन्द और परिन्द ॥

भैरवी का अजब अन्दाज है हरतान के बीच ॥

चराचरै गी मृग चौपाया गेहले आहु आहु सीर
भुई मापट कै छ केन भन्या उस्को भैरवी का तान मा
यस्तो ता सीर छ ॥

ताली वे बोसा है लवदीद की मुशताक आखें ॥

दील है सीने में तपावस्त के अरमान के बीच ॥

बोह उस्को म्बाई खान माछ आखा उस्को गुत्फाम
लाई हेर्न माछ दिल उस्को छाती मा मिलना को
आसामा तउ पंछ ॥

कहिं गुल्फाम का को सो न हीं मीलता है पता ॥

खाक उडाती हुई फीरती है वियावान के बीच ॥

च ॥ गुल्फाम को कहीं को सो पर पता लाये न माटो को दु
लो उडाई उडाई कन वन वन माफि देख ॥

नमा गमजा आफत है क्या मत है अदा में उसकी ॥

हजार आलम में वपा करती है एक जान के बीच ॥

द ॥ उसको न खरावा तचित् आफत द और उसके चाल

व ॥ ठग हेतु प्रलय जस्तो छ त्यो सबै मिली आई कन ससार

र मा माहा प्रलये जस्तो य कहि न मा पादि छ ॥

नमा सब ज जोडे मे है क्या चेहर औरौ शत्रु की जिया ॥

सुबहे को चान्दनी ने खेत का धान के बीच ॥

खें ॥ उसको हरियो पोसा कमा मुख को यस्तो जोती छ की ज

व ॥ जस्तो धान के खेत मा बेहान सबै को चन्द्र मानि स्था

म को जस्तो ॥ ८ ॥

देवों मद होश हैं पर्यों में न हीं दम उस्ताद ॥

जी नृत डपते है पडे जान न हीं जान के बीच ॥

क
क
ल

जोगनलाई हेदी देव हरु वेहो सुख न परिहरु माद म
छेन से उस्ताद जिन हरु तड पंद उनि हरु काज्य मा
ज्या न छेन ॥

ॐ मरिगा ना जोगन का परिस्ता मै वीच धुन भै रवी के ॥

मैं तो शहजादे को छूडन चल जा ॥ अंग भभूत जोगन वन मत जा ॥

छान फिरि सव गल जा ॥ मैं तो शहजादे को छूडन चल जा ॥

मशहजादा लाई छूडन जा छु जोगन वनी मेरा वदन मा

भभूत मली गल्ली गल्ली माखोजी फिरे छु ॥ ॥

जीजा वत है डगर नहि आवत ॥ हम महेलों की पति नारे ॥

मैं तो शहजादे को छूडन चल जा ॥ लट छिट का के भेस वना

के ॥ देस विदेस निकल नारे ॥ अंग भभूत जोगन वन मत लिया ॥

जुमेरो जान्हू वाटो मलाइ मिले दैन केन भन्या म मह

त्मा सधै वसीर त्याको केले पनि नहि जाको अले कपात्

कोरौं लट काई भेस वनाई कन देस विदेस निस्क्या ॥

सीस विकस गयो पाउ भुल सगयो ॥ धूप में वन वन जल नारे ॥

तन कुमिल गयो मुख मुरग गयो ॥ जैसे गुलाब कि कल नारे ॥

अंगभभृतजोगनवनमतजा ॥ छानफिरीसवगतजारे ॥
 सीरमेरोगभिलेकह्यो पाउमेरोपोलो केनभन्याघा
 ममावनवनहिडनाले सीरमेरोकुम्हिलाईगयो
 मुखमेरोमुखाइगयो कस्तोभन्याजस्तोगलावका
 कोपितातोजापछिमुखाउंछतस्तैहनगयो ॥ ॥
 जगदुशमनहैगहकठिनेहै ॥ वलाअंकौंकरटलजारे ॥
 जाइकहोउस्तादसेगुइजा ॥ छानफिरीसवगतजारे ॥
 जगतमलाईदुशमनभयोहिडनालाईवायेकठिन
 भयो योवलाकसोपरिमैलेयलुंरेसजनीउस्ताद
 संगकहिदेउकीगछीगछीमाफिरिखोजीहैरानभजा ॥

तारिफकरना कालेदेवकाजोगनकीराजाइदरसे ॥

खुदागजाजीकोरखेगादमा ॥

जोहोजानुवरखीतोखोलुंजवां ॥

भगवानराजाजीकोसधैखुशाराखुनुमेरोजानुमाफ
 वकसाकेहिकुराविंतिचछाउ ॥

७
परस्तानमें जोगनयेक आइ है ॥

खलायेक सब उस की तमा आई हैं ॥

परस्तानमा योदि जोगन आया की छ इनि जा हरु सये
लेउ स्को तमा साहे छ ॥

बोहै नाचती गाती इस आन से ॥

के जिन सदके होते है सो जान से ॥

उस्को नाचन गाउ नय स्तो रा मो छ कि जिन हरु सये सये
जान भयापनि उस माथि मन सीकन जाउ भै छ ॥

गजब भै रवी की हरये कतान है ॥

खुदाइ का दित उस पः करवान है ॥

भैरवी की हरये कतान यस्तो गजब छ कि सारा ससार को
दित उस माथी मन सीकन जाउ भै छ ॥

मती है भभूत और अफशा चुनी ॥

न देखी है जोगन ऐसी सुनी ॥

अंगमा भभूत मत्पा को छ मुखर माथमा सिरावाहर
जप्रा को छ यस्तो जोगन रा मो कसे ते देखा कोर सुना

५२
कोपनिदेन ॥

मस्ताकहोना राजा का और वलवाना जोगन
को काले देव से ॥ ॥

नकर देर से देव बहरे खुदा ॥

अखाडे में मेरे उस जल्दवा ॥

ऐ देव भगवान् लाई मानी कन तें चाडो जा वेर नगर मेरे
अखाडामा उस जोगन लाई चाडे त्याउ ॥

में देखें जो जोगन है की सजान की ॥

परि है वया की स्म इन्सान की ॥

मउस्ताई हे हं उजोगन को कस्तो सरूप छ परि हो कि आ
दमि हो कन किसम को हो ॥

किसी देव जिन की सताइ न हो ॥

मेरे पास फरयाद ताइ न हो ॥

कोही देव हरु ले सताया को हो कि अथवा जिन हरु ले स
ताया को हो मेरे पास फिर दगन आया को हो कि मैं
हे हं ॥

मजारागकानाचकाजोकहै॥

फकीरोंसेमुहकोवहोतशोकहै॥

मलाईरागसुनठरेमजालाछ औरनाचहर्नमलाईठे
रेइस्यालाछ औरफकीरोंसंगमुलाकातगुनठरेम
लाईशोरवछ॥

नलायेबोक्रुछ औरदिमेंखियात्॥

दिखायेमुहआकेअपनाजमात्॥

उसजोगनूलाइभनिदिनूकिमेलेकेहिगताभनिधंस
मानुपदेनयेकपल मकाहाआईमुखमात्रदेखाउ

६ सवाल कालेदेवका जोगनसे॥ ॥ ॥

अजिजोगनअवदिमेंहोअपनेशाद॥

कियाहैनुहेराजाइन्दरनेयाद॥

अरेजोगनअवदिमाखुशहोकिअवरजालेतैलाईयाद
गयाकोछ॥

किसीसेतेरासुनलियाहैजोहात्॥

मुलाकातकाशोकउसेहैकमात्॥

कैसे संग तेरे हात् सुने छ नर तेरे मुला कात गर्न लाई छैरे
इस्पाग्या को छ ॥

मेरा देर करना उमेशा कहै ॥

तेरे नाच गाने का मुशता कहै ॥

मैं ते अवेरग यों भन्या राजा व्याकुल हुन्या छ तेरे नाच रगा
नाहे ना को छैरे इस्पाग्या को छ ॥

मुराद अव तेरे दिल की वर आसैंगी ॥

जो मा गेंगी वो चीज मीत जासैंगी ॥

तेरे मन मा जो जो आसा ताग्या को छ सो पुरा हुँ छ राजा
संग जो मागु सो ही राजा लेव कस हुँ छ ॥

नफीर उम भरतु करेगी सवात् ॥

बोये कदम मे कर देगा तुफ को निहात् ॥

तेरे उमेर भर को इस संग मागनु पर्या छैन राजा लेये कदम
मात लाइ निहात् गरि दिँ छ ॥

जवाव जोगन का काले देव से ॥ ॥

ये बातें न लाना जवां पर कभी ॥

फकीरों से अच्छी नही दिल लगी ॥

यसोकराकैलेपनिमुखवाट ननिकालनु फकीरहरुस
गरयात्तठहागनु असत्छैन ॥

वडाबोमेरादेनेवालाहुवा ॥

खुशामदसेमूँतेराकालाहुवा ॥

वडोठमलाईवक्तनेभयाको यसोखुशामतकोकराले
तेरोमुखकालाभयाको ॥

फकीरोकोदोततकीपरवानहीं ॥

यहांहरकेअफजालसेक्यानहीं ॥

फकीरहरुलाईधनदोततकोकेहिपरवाछैन यहाभग
वानकोदयालेकोनैवातकोकमुछैन ॥

जोगानेकारजाततवगारहे ॥

तोजाकिस्कोचलनेमेंइन्कारहे ॥

जोराजाकोगानासुनाकोइस्यादभन्यामलाईपनीब्राह्म
जानलाईकेहीअर्कोउछैन ॥

नवियतमुखातीवअगरपाउँगी ॥

जोआताहैमुफकोसुनाआउँगी ॥

रुसं मेरे जूलागी सुनाउन मन लापो भन्या मसंग जोयाद
हु सुनाइ दिहु ॥

कहना काले देव का राजा से लाना जोगन को
द्वार में ॥ ॥

माहाराज की जे इधर अवनि गाह ॥

ये जोगन है हाजीर वह लेत वाह ॥

ऐ माहाराज यतातिर नजर हो सु यो जोगन तवाह हाल
लेह नुरमा हाजीर भया कोह ॥

मिता कि सख रावी से इस्का निसां ॥

हुवा मै परितान मे हर सूरवा ॥

बहुत मुस्कील खरावी संग साग परितान माधुमीय
कोपना लाजों ॥

बहुत जल्द खिदमत में आया हु में ॥

अखाडे मे जोगन को लाया हु में ॥

उस माथीपति बहु चाडे हनूरमा हाजीर भया कोहु औ
अखाडामा जोगन ताइ पति हाजीर गर्न त्या कोहु ॥

अजपखुश गुलू है ये जोहराजवीं ॥

उडाती है जंगल में क्या भैरवी ॥

यस शुक सरुपी को गला अजप को राम्रो छ योजन
लमावसी वसी यस्तो भैरवी उडा उंछन ॥

हरये कतान पर लो जाता है जी ॥

सुना होगा गाना न ऐसा कभी ॥

हरये कतान उसके सुन्य वित्तिके जू मोहि लिंछ य
स्तो गाना के ले पनि सुन्या को हवे न ॥

देवनाराजा इंदर का जोगन की तरफ
ओर पूछना हाल जोगन का ॥ ॥

अरिजोगन से दर्द की सुवतिला ॥

फकीरों का क्यों भेस तूने किया ॥

अरिजोगन दुःख ले भरीया की फकीरी का भेस तेने कि
तलिया को ॥

फिरा किस पः है किस पः शैरा है तू ॥

कोइ आदमि है परीया है तू ॥

कोसी गते रोई शुक छ कोमाथी तैं आशक छ जात तरो

५८ ५७
आदमी हो सकी परी हो ॥

काहा से आहा तेरा आना हुवा ॥

के मुश्ताक सारा जमाना हुवा ॥

ते काहा वाट आहा आइस् ते माथी सारा संसार लेहे
ने ईश्या गर्द ॥

किसे छुटती फिरति है कू वकू ॥

उडाति है क्योखा कज्जु लकीतू ॥

ते कस्को खोज माघर घर गध्वी गध्वी छुड फिर गर्द
सु जज्जु लको छु तो ते ते के न उडाई उडाई हिर्द सु ॥

सुना अपना गाना मुहे भी जरा ॥

सुना भैरवीं छे ड्या जोगिया ॥

मलाइ पनि आकुरा गाना अलीकता भैरवीं भया
पनि जोगिया भया पनि सुना ॥

जवाव जोगन का दर्द ले भरीया को तरफ
राजा के ओर अपना हाल विनिचण्डन ॥

महाराज पूछोन जोगन का हाल ॥

फकीरों का दिल दर्द से हे निठाल ॥

६५
हेमाहराजा जोगनको हात के हिन सोधी वकसा जावस
फकीर का दिल दर्द ले साइ उत्रीर था कोछ ॥

मेरा मुह से माशुक है छुट गया ॥

मेरा राज इस देस में लुट गया ॥

मेरो माशुक मसित विछोइ भया कोछ मेरो राज पनी
यसै देस मालु दी गया कोछ ॥

जाहा ठुठने उस्को आया हुं में ॥

विरोग नहु गमु की सताई हुं में ॥

उस लाई खोजन जाहा में आया काहुं मैं निर्धा विप
तमा उसै को सुर्ता ले मलाई सताया कोछ ॥

सुनाती हुं गाना जो है मुह को याद ॥

अज पक्या जो मित जाये हील की मराद ॥

सुनाउँ छु गाना जो मलाई याद छु क्वाता जुप जो मे
रा दिल को इक्ष्वा परा होई जावस ॥

अगर राग से गेर हो दिल का हात ॥

न जोगन कारद की जिये गा सवात ॥

५६
१०
स मेरोगानासुन्यापछि हजुरकोदिलखुशभयोभन्या
मैलेगयाकोसबालमर्थनजावसु ॥

हुमरिगानाजोगनकासामनेराजाके

बीचधुनभैरवीके ॥ ॥ ॥ ॥

काहागयोगोईजाशहजादजानीप्यार ॥

दिलतडपतहेहमार ॥

काहागयोहेसंगिनीहो मेरोज्यानसमानकोशह
जादा प्यार मेरोदिलबहुततडपछ ॥

वाकायताकंहिलागतनाही ॥

छुडफिरिवनसार ॥

उस्कोपताकहियनीलादेनसारवनवनछुडी
फिरिसकें ॥

विनजानीकेइननैननमै ॥

रैनदिना अधियार ॥

उसजानीविनु मेरोआंखारातदिनअंधारोछ ॥

ऊडजांमैंजैसेसुखमछरियों ॥

तडपतहोगाविचार ॥ ॥

जसो सानु कंवा मा रा तो माछा छो जाय छि तडप
छ तसै शह जादाय नि तडप न ताप्या को होला किचा

कोउ कहै उस्ताद से जाके ॥

तुमरे दमका सहारा ॥

कोहि कसे ते उस्ताद संग भनी देउ की निमोदमका
आशाछ ॥ ॥

हार देना राजा इन्दर का जोगन को फेर जवा
वदेना जोगन का ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

हार जीन हारन लुगी दील को खार है ॥

अपना गुल उजार गले का हार हो तो भार है ॥

यो हार महर किसु लिंदैन केन भन्या आहु माशुक आ
हु गले का हार बहार हुँ छ यस्तो खाती हार केन लिनु ॥

शाही रुमात देना राजा इन्दर का जोगन को
खुश हो के फेर जवा वदेना जोगन का ॥ ॥

रुमात उहे दीजिये जो तऊ दस्त है ॥

फकीर अपनी कमली में मस्त है ॥

यो रुमात अरु कोही गरीब लाई वक्त न हो सु फकीर

५८
६२
उप ता आमु काम लो मा मस्तु ॥

वेचारा इशक की गमीने मारा है ॥

पश्चिने से किनारा है ॥

क इशक को आगे ले मलाई पोली मारी रहेछ सो पश्चि
नामलाई के न चाहिछ ॥

राजा के दौर मे पछे से आई हुं ॥

जो मार्ग सो पाउँ ॥

राजा को दरबार मा म ठेरै दाढा वाट आया को हुं मं
जो मार्ग सो पाउँ ॥

यकरा करना राजा इन्द्र का जोगन से

औ गजल गाना जोगन का गुल्फाम के तल

वकर्ने को ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

होता है कोई आन मे अव काम ह मारा ॥

इ नाम मे दीजे हमे गुल्फाम ह मारा ॥

अव ये क दिन मा मेरो काम हुन लायो लौ इ नाम

मा मेरो गुल्फाम मलाई वक्त नु ह वस ॥

५२
अवचाहसे यसफ कोनिक तवावोहमारे ॥

घटनाहै अंधेरे मे दितराम हमारा ॥

अवकं वावाट मेरो माशुक लाई फिका उन हो स ते लो
अंधारो कु वामा मेरो माशुक को दम हर वर आई निसास
भया को होता ॥

आश करने तेरे मांगलियार जा से तुम्ह को ॥

दे आये कोई उक्किये ये गाम हमारा ॥

तेरो आश कले राजा संग त लाई माया को छु भनी क
सैले यो समाचार मेरो गुल्फाम लाई भनी दिवो स ॥

आजाय अगर थार तो छाती से लगाते ॥

सीने मे तपा है दिले ना काम हमारा ॥

अले मेरो थार आयो भन्या छाति मा लग आई अंगलाह
ली लिउला मेरो छाती भित्र को दित ठरे त डपी कन
वे कायम भया को छ ॥

अव वस्त्र मे लूटे गेम जे खल्क मे वे खोफ ॥

आगाज से वे हत्तर हुवा अजाम हमारा ॥

॥ अवमुलाकानगर्नकोजाहानमा मजा निर्भयभैकन
 लुद्धुकेनभनेपैहैकोभैदा अवपाछिकोकामहाप्रोअ
 सत्तभयो ॥

मंगवाइयेगहजादेकोअवदेरनकीजिये ॥

नामआफकाहोरवत्कमेऔरकामहमारा ॥

अवउसगहजादालाईचाडैमगाउजहवस्वेरनगर्न
 हवस्डुनिजाजाहानमाहजुरकोनाईईछमेरोकामईछ ॥

अध्वाहमददगारहैहरहालमेउस्ताद ॥

करसकीहैक्यागरदिशेअैयामहमारा ॥

भगवान्कोकपालेसेउस्तादहरहालमाछदेछभन्या
 दसालाप्यापनिमेरोकेहिगर्नसकन्यादेन ॥

पहचाननाराजाकासकजपरिकोऔरबला
 नालालदेवकावास्तेछोडनेगत्फामके ॥ ॥

अरेलालदेवईस्तरफजल्दआ ॥

बडामुहकोजोगननेधाकादिया ॥

ऐलालदेवचाडैयतातिरआइजा योजोगनलेमला
 ईसाहैधीखादियो ॥

बनावटकीथीसारीजाडुगिरी ॥

नहीआदमीसकजहैयेपरी ॥

यस्कोहेलवरवेडासवैवनायाकोथियोयोआदमी
होईनसकजयरीहो ॥

इसेजरकीखाहीसनजालाईथी ॥

छुडानेगिरफतारकोआईथी ॥

यस्ताईधनदोलतकोखायेसलेजाहात्पायाकोहो
ईनफकतगुल्फामकोछोडाउनताईआयाकोहो ॥

कभीईस्कोमितनानवोगलउजार ॥

मगरकवलहाराहुमेतीनवार ॥

यसताईकैलेपनीत्योमाशुकमितनपाउम्याथियेन
केगहतीनपलमेरोजवानुहायाकोछ ॥

निकातअवकुत्रेसेतूगुल्फामको ॥

हवालेकाईसनेकअंजामको ॥

अवतंगुल्फामताईकुवावाटहिकीकनयसुद्धिमा
नभयाकोअसत्ययानवालाताईहवालागरिदे ॥

१६ १०२
मिलना गुल्फाम को सब जपरी को और सवाल
जवाब करना आप समझे ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

सवाल सब जपरी का ॥ ॥

कहर था हिज कयाम तू थी जुदाई तेरी ॥

मेरे वाली कने मुझे शकल दिखाई तेरी ॥

तेरे बिछोड गजब थियो तेरे जुदाई मलाई प्रलये
थियो मलाई भगवान को दया ले निमो मुख हेर्न पाजा ॥

जोले जवाब शहजादे का ॥ ॥

खाक है मुयः मली वाल है सर के बिखरे ॥

हाये इस इश्क ने क्या शकल बनाई तेरी ॥

तेरे मुख माधुलो मल्ला को छ कपाल पनीन कोरी फु
का को छ हाये यस इश्क ले तेरे चेहरा कसो बना दिया ॥

जवाब सब जपरी का ॥

मुखः होना था जो कुछ होगा इस कान हींग मु ॥

होगा ई कैद मुसीबत से रिहाई तेरी ॥

मलाई जो भयो भयो यस्को सुतानगर अवयस कैद को
तकलिवुले निमिछु द्यो ॥

जवावशाहजादेका॥

तुमरे आगे निकाली गई थिनो चके पर॥

राजा न क फेर दुई कित्तर हर साई तेरी॥

तलाई मेरो अगाडी पारवउखेती कन निका त्या को थि
यो फेरितैं कसो गरी राजा का हजुर मा पुग्न पाईसु॥ ॥

जवाव सव जयरी का॥

वन के जोगन दुई इन्दर की सभ मे दाखीत॥

फेर मुफे चाह जाहारे चके लाई तेरी॥ ॥

मंजोगन वनी कन इन्दर का सभा मा पुग्या तेरो मायाले
जाहा सम्म मलाई खिची त्या या को छ॥ ॥

जवावशाहजादेका॥

कहे के राजा से मुफे किसने तुम्हे दित वाया॥

इश्मने जां थि मेरी जान खुदाई तेरी॥ ॥

मलाई राजा संग भनी कन कस्ते तलाई दित्ता या को हो
स्जान तेरो सारा सै सार इश्मन थियो॥

जवाव सव जयरी का॥

गाके और नाच के राजा को रियायत मैने ॥

तब मुलाकात मये सर मुह आई तेरी ॥

गाई नाची कन मैले राजा लाई रियायत तब तेरो मुलाका
त मैले गर्न पाजों ॥

३

जवाव शहजादे का ॥

जर को ताली बनहुई मुह को लियाराजा से ॥

अवशर फले गई साही पग दई तेरी ॥ ॥

ते ते धन दोलत को इक्ष्यान गरी राजा संग मलाई वक्लाई ली
यो अव तेरो फकीरी बाद शाही भेदा पनी वयो ॥

५

जवाव सब जपरिका ॥

देव कं वखने किस जोर से पहचा पकडा ॥

होगइ तालन जाकत से कलाई तेरी ॥

ते सुइ छ देव लेक्या साहू जोर से गनाडि समाया को थि
यो तेरो कमतो नाडी समातना तेरा तो भै गयो ॥

जवाव शहजादे का ॥

मरजे इकने सारा तेरा जोवन लूटा ॥

आधी सूरत वखुदा मैने न पाई तेरी ॥

१०५
इश्क के वेथाले तेरे सबै जो वन लुघो मैले तेरे आधारुप
सत्पति मैले देखन पाई न ॥

जवाब सवरी का.

कैदने कर दिया वीमार से वदत रुको ॥

घर मैले चल के करुंगी मैदवाई तेरी ॥

कैदले तलाई बेगमी भंदा पनी वठतार खराव गरी दियो

अवतंलाई घर मातंगी कन तेरो ओशधी गरुं ला ॥

जवाब शाहजादा का ॥

पिंडलीया सूजी है तलुबो मै चुभे है काटे ॥

खारि देती है मुहे वरह न पाई तेरी ॥ ॥

पिंडोला सुन्या कोठ पाइत लामा कांठा गझा कोठ ते

रो पाउ माजु नान भया को हुनाले ते ही काठा मेरो छाती

माग आ को जलोठ ॥

जवाब सवज परिका ॥

मुकोइ जाहुई पापोश के सद के सेहुई ॥

जान अश्वाहने गुल्फा मवचाइ तेरी ॥

मलाई दुःख भयो भन्या तिमी जुता को मन साउ न भ

4
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

यो तेरो जान भगवान ले से गुल्फाम वचाई दियो ॥

जवाव शाहजादे का ॥

मै तेरे हात लगा तू मेरे फंदे मै फसी ॥

मेरा मतलब हुआ उम्मेद वराई तेरी ॥

मलाई तैले पाइस् तं मेरो फंदामा फसिस् मेरो मत
लवपनी भयो तेरो पनी आरापुरा भयो ॥

जवाव सबज परिका ॥

हेडु आये ही मेरी दिल्ले के अवहृत्त तलक ॥

फजले उस्ताद से देखुं नजुदाई तेरी ॥ ॥

अव भगवान संग यही वदान मायु कि निमिहामी
महाप्रलय का तसम्म उस्ताद को कृपा ले कैले फी
निमोहा मो विछोड न होस् ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

मुबारकवाद गाना सबज परिका गुल्फाम से हम

वगल होकर सब परियों के साथ मिल के ॥ ॥

शादिये जल्चे गुल्फाम मुबारक होवे ॥

ऐसा अशरत का सरंजाम मुबारक होवे ॥

खुशी गुल्फाम देखना को रामो संग फलोस् चैन ओ

१०७
र आराम को सपै सरदाम रा मो संग फलोस ॥

वाह मुदद के हसी नो कान गी वाजागा ॥

फरी राहत पै अव आराम मुवार कहोवे ॥

ठै रै दिन पछि हा मि हेरु को न गी वजाग्यो अव खुशी
को विछोनामा आराम चै न फलोस ॥

सर्वः कमरी को सजावार हो वल वल को गत ॥

हम को ये सर्व गुलदाम मुवार कहोवे ॥ ॥

सरो को रुख माथि छुकर आश कहू गुलाव का फुल
माथि वल वल आश कहू उभै न कि ड ड वै लाई आ
फ्रा आफ्रा माशुक मिलोस मलाई तेहि सरो जस्तो रा
मो सरीर छ गुलाव का फुल जस्तो महक नू अंग छ मला
ई यही फलोस ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

पीचु के खूने जिगर हिज्र मेजी भर भर के ॥

शर्व ते वल का अवजां मुवार कहोवे ॥

आफु आफु दिल को रागत विछोड भया का वेला मा खू
वज्र भरी कन पीस को मुलाकात को सर्वत गिलास भरी

कनपीउनुफलोसः॥

॥

॥

तखतपरहमकोमुवारकहोजांहामेफिर्ना॥

गेरकोगर्दशोअैयाम्मुवारकहोवे॥ ॥

हामिहुरुताई विमानमाथिवसीकन संसारमा
फिर्नुफलोस दुश्मनताईदसालेघेयाकोफलोस॥

होचकेइवकमैवदनामवडिमुहत्तक

अवजमानेमेहमेनाम मुवारकहोवे

ठेरैदिनसम्मइवकभावदनामभइसक्यो अवसंसा

रमाहामिहुरुको नाम कनफलोस॥ ॥

जातसाजोकेनफंदेमेफसेतायेरेदित्॥

गेसुत्रोकाहमेअवदाम्मुवारकहोवे॥ ॥

हामिादित्कोचिरिया जातसाजकाफंदामानफ

सोस अतरवकोजाततेहीहामिताईफलोस॥

हुरेंजन्ततकोमुवारकहोफलककोतारे॥

वागकागुलहमेगुल्फाम्मुवारकहोवे॥

अवछराहरुवैकुराहकोफलोस औरअकासताई

ताराफलोस वगेचामा गुलावको फुल फलोस म
लाइ गुल्फाम फलोस ॥ ॥

छिनेशहजादेको अवराजान हमसे उस्ताद
ये अमानत गहरोशाम सुवार कहोवे ॥

ये उस्ताद अवराजा शहजादे लाई नखो सुन यो
रवत सांज वेहान मलाई फलोस ॥ ॥

इति इन्दर सभा समाप्त ॥

इति सम्वत् १९७ साल मिति आश्वीन वदि ११ रो
त ५ शुभम् ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१०५

मेरे प्यारे मुनि वर के दिल गये. और जैसे भाये
अब चलो पल ५० पर बैठकर दो दो पाद शरण के
मैं जो मज्जा में आकर हूँ ॥

॥

सति श्री ५ माहा राजचिराज पण्डित विरचित मंत्र से
जइ सावा हादुर को सुवार कवाद ॥ श्री ५ माहा राजचिरा
ज कि सव दिन आनन्द वडे सात दिन नव रात डलोक का
उनके साथे छत चरहे ॥ पाच पुत्र अतिलायक
सुन्दर राम कृपा से वे जैसे सुवार क राज ताल मे प्रेम
सति साये ॥

क
ग

ताटिफुखएजपरिकीनवानी. लाल देवके. ॥

स्यावास्तु वी प्रथम राजपटि आ फने तो खुव है न बा. मो प्र
 ल मे. शव तो न राजि हटे और म ह राजा इन्द्र मि. म हा हो
 हु म हटे ॥ ^{सु} सो मानु ^{वसु} अहं च ^{मा} अहि पट खाति है क्रा व.

五

गारिकुनीलपरिकि जवानीलालदेवके-॥

सुभाष अ. मा.
 अष्टागः खरु गा रहि है विनीत वैरि सख खत तो आ
 ने आपने गाने नाचने से सारि मै फूल को बस कुरु वि
 मा. क्या वाह ॥ मा. गा अष्टा से आपकी सुदृष्टि भि. ओ
 लं सकु रहि है सब लोग दिवाने भै गये. क्या वाह ॥

माहि लाल पट्टि कि जवा नी काल देव के ॥